हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023

नागपुर, गुरुवार, 28 नवंबर 2024

अंक 46 / वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

महाराष्ट्र में सीएम होगा भाजपा का

> बनेंगे दो डिप्टी सीएम > सरकार गठन का फॉर्मूला आया सामने > दिल्ली में महाराष्ट्र एनडीए की बैठक आज

मुंबई।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव रिजल्ट के बाद सरकार गठन और सीएम पद को लेकर सस्पेंस बना हुआ था, लेकिन बुधवार को कार्यवाहक सीएम और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद सरकार गठन को लेकर स्थिति साफ होती दिख रही है। सूत्रों का कहना है कि महाराष्ट्र में बीजेपी का सीएम होगा और मौजूदा व्यवस्था बनी रहेगी यानि एक सीएम और दो डिप्टी सीएम होंगे। आज गुरुवार शाम दिल्ली में महाराष्ट्र एनडीए की बैठक होगी। बैठक में महाराष्ट्र में एनडीए के नेता का नाम भी तय होगा।

बता दें कि वर्तमान में शिवसेना के नेता एकनाथ शिंदे एनडीए सरकार के सीएम हैं, जबकि बीजेपी के नेता देवेंद्र फडणवीस और एनसीपी नेता अजित पवार उपमुख्यमंत्री हैं, लेकिन विधानसभा चुनाव में महायुति ने रिकॉर्ड जीत हासिल की है। उसके बाद बीजेपी केंद्रीय नेतृत्व चाहता है कि राज्य में बीजेपी का मुख्यमंत्री हो और इसे लेकर एकनाथ शिंदे और अजित पवार से सहमति बन गई है।

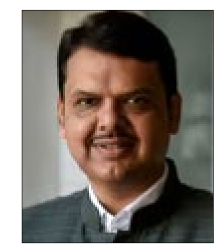

पीएम मोदी का फैसला होगा स्वीकार्य

शाह से मुलाकात करने वाले शिवसेना नेता ने कहा कि सीएम पद पर कोई चर्चा नहीं हुई। बुधवार को संसद में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करने वाले शिवसेना सांसद नरेश म्हास्के ने कहा कि उन्होंने सिर्फ उनका अभिवादन किया, उन्होंने कहा कि सीएम पद को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे पहले ही प्रेस कॉन्फ्रेंस में कह चुके हैं कि पीएम मोदी (महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद को लेकर) जो भी फैसला लेंगे, वह हमें स्वीकार्य होगा।

हालांकि गुरुवार को दिल्ली में बैठक के बाद अंतिम फैसले का ऐलान होगा।

इससे पहले बुधवार को एकनाथ शिंदे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर साफ कर दिया कि पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जो भी निर्णय लेंगे। उन्हें मंजूर होगा।

वह अगले मुख्यमंत्री के नाम पर भाजपा नेतृत्व के फैसले का पूरी तरह से समर्थन करेंगे और इस प्रक्रिया में बाधा नहीं बनेंगे। उसके बाद महाराष्ट्र बीजेपी की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एकनाथ शिंदे की प्रशंसा की गई।

शिंदे गुट के सांसदों ने शाह से की मुलाकात

इस बीच, शिंदे खेमे के सांसद धैर्यशील संभाजीराव माने ने बुधवार को संसद में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद पहली बार एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के सभी सांसदों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। जनता ने हमें चुनावों में भारी जनादेश दिया है। (महाराष्ट्र के सीएम पद को लेकर) कोई विवाद नहीं है। महायुति के तीनों दल राज्य के विकास के लिए मिलकर काम करेंगे।

'महायुति में कभी मतभेद नहीं रहा'

महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, हमारी महायुति में कभी भी एक-दूसरे के प्रति मतभेद नहीं रहा। हमने हमेशा मिल-बैठकर निर्णय लिए हैं और चुनाव से पहले हमने कहा था कि चुनाव के बाद हम (मुख्यमंत्री पद के बारे में) सामूहिक रूप से निर्णय लेंगे। कुछ लोगों को संदेह है, जिसे आज एकनाथ शिंदे जी ने स्पष्ट कर दिया है। जल्द ही हम अपने नेताओं से मिलेंगे और निर्णय लेंगे।

खबरें! एक नजर में!!

फेंगल तूफान की आहट से 4 राज्यों में अलर्ट

नई दिल्ली। अंडमान सागर में उत्पन्न हुआ भीषण चक्रवाती तूफान फेंगल भारत के तटों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में मौसम विभाग ने साइक्लोन के चलते तमिलनाडु के तीन जिलों और पुडुचेरी के एक हिस्से में तेज बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा विभाग ने राज्य में अगले तीन दिनों तक बारिश का भी अनुमान लगाया है। तूफान से निपटने के लिए राहत शिविर के इंतजाम किए गए हैं।

यूपी के सड़क हादसे में पांच डॉक्टरों की मौत

लखनऊ। आगरा- लखनऊ एक्सप्रेस -वे पर आए दिन हादसे होते रहते हैं। बुधवार सुबह भी इस एक्सप्रेस-वे पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। जिसमें सैफई मेडिकल कॉलेज के पांच डॉक्टर्स की मौत हो गई। जबकि एक घायल हो गया. जानकारी के मुताबिक, हादसा बुधवार तड़के करीब तीन बजे हुआ। जब डॉक्टरों की गाड़ी डिवाइडर को तोड़कर दूसरी ओर जाकर पलट गई। हादसे में गाड़ी के परखच्चे उड़ गए।

सीआईएसएफ का ई-सर्विस बुक पोर्टल शुरू

नई दिल्ली। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) से सेवानिवृत्त होने वाले सैनिकों को अब समय पर पेंशन और अन्य लाभों का भुगतान हो सकेगा। सीआईएसएफ ने बुधवार को अपने रिटायर्ड कर्मचारियों की नौकरी से जुड़ी प्रक्रियाओं में तेजी से लाने के लिए ई-सर्विस बुक पोर्टल की शुरुआत की। नए डिजिटल ढांचे से सेवा पुस्तिका के भौतिक तौर पर हस्तांतरण की जरूरत खत्म हो जाएगी।

बहुमंजिला इमारत में आग, दो लोग झुलसे

मुंबई। दक्षिण मुंबई इलाके में 22 मंजिला इमारत में लगी आग में महिला दमकलकर्मी समेत दो लोग झुलस गए। डोंगरी क्षेत्र में अंसारी हाइट्स की 14वीं मंजिल पर एक फ्लैट में रसोई गैस सिलिंडर में विस्फोट होने के बाद आग लगी। जो 19वीं मंजिल तक फैल गई। इसमें मांडवी स्टेशन से जुड़ी महिला दमकलकर्मी अंजली अमोल जमदादे और एक अन्य नागरिक नासिर मुनि अंसारी 15 फीसदी तक झुलस गए।

मणिपुर में और दो दिन इंटरनेट पर प्रतिबंध

इंफाल। मणिपुर सरकार ने बुधवार को नौ जिलों में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं के निलंबन को 29 नवंबर तक बढ़ा दिया। यह फैसला राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करने के बाद लिया गया है। 16 नवंबर को राज्य में हिंसा बढ़ने के बाद प्रशासन ने इंटरनेट सेवाओं को दो दिन के लिए निलंबित किया था, ताकि असामाजिक तत्वों के ऐसे कंटेंट का प्रसार रोका जा सके, जो कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा कर सकते थे।

फार्मा प्लांट में जहरीली गैस लीक, 1 की मौत

नई दिल्ली। बुधवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम के अनकापल्ली में एक फार्मा प्लांट में जहरीली गैस लीक होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और 20 लोग बेहोश हो गए। सभी पीड़ितों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि तरल पदार्थ के रिसाव के कारण यह दुर्घटना हुई। कर्मचारियों ने हाईड्रोक्लोरिक और कोलोरफॉर्म के मिश्रण को सांस के जरिए अंदर ले लिया।

13 दिसंबर को प्रयागराज जाएंगे पीएम

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी 13 दिसंबर को प्रयागराज जाएंगे। यहां वो गंगा पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि 13 दिसंबर को पीएम प्रयागराज आएंगे और मां गंगा का पूजन करेंगे। उन्होंने गंगा को स्वच्छ बनाने के लिए 'बिजनौर से बलिया तक' गंगा स्वच्छता समितियों को सक्रिय करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि गंगा को पूरी तरह स्वच्छ और निर्मल बनाने के लिए जनसहयोग को प्राथमिकता दी जाए।

बेहद खास होगा चंद्रयान 4 का 'प्रज्ञान' रोवर

इसरो ने दे दिया बहुत बड़ा अपडेट

नई दिल्ली।

चंद्रयान 3 से इतिहास रचने के बाद भारत अगली उपलब्धि चंद्रयान 4 की ओर तेज रफ्तार से बढ़ रहा है। अब इसके आकार को लेकर बड़ा अपडेट आ गया है। कहा जा रहा है कि चंद्रयान 3 की तुलना में चौथा चंद्रयान काफी भारी होने वाला है। चंद्रयान 3 ने अगस्त 2023 को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग कर ली थी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के जानकार बता रहे हैं कि चंद्रयान 4 पिछले चंद्रयान की तुलना में 12 गुणा ज्यादा भारी होगा। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, इसरो में एसएसी यानी स्पेस एप्लिकेशन्स सेंटर के निदेशक नीलेश देसाई ने जानकारी दी है कि नए रोवर का वजन 350 किलोग्राम होने वाला है। जबकि, चंद्रयान का वजन 30 किलो था। उन्होंने कहा, 'इस मिशन का रोवर 350 किलोग्राम का होगा, जो पिछले रोवर से 12 गुना ज्यादा भारी है।' खबर है कि रोवर के आकार में हुआ यह इजाफा इसरो के व्यापक प्लान का हिस्सा है, जिसके तहत चांद की सतह पर खोज और नमूने वापस लाना शामिल है। खास बात है कि चंद्रयान 4 मिशन का मकसद सिर्फ चांद पर लैंडिंग ही नहीं, बल्कि धरती पर सैंपल वापस लाना भी है।

क्यों बढ़ा वजन

रिपोर्ट के मुताबिक, नया भारी रोवर ज्यादा साइंटिफ पेलोड और खोज के लिए बड़े इलाकों में मददगार होगा। इससे पहले प्रज्ञान रोवर 500x500 मीटर का एरिया कवर करता है। वहीं, नया रोवर 1 किमी x1 किमी का हो सकता है। कहा जा रहा है कि इससे चांद पर रिसर्च का दायरा बढ़ जाएगा। देसाई ने संभावनाएं जताई हैं कि इस मिशन को 2030 तक शुरू किया जा सकता है।

अजमेर की दरगाह शरीफ का भी होगा सर्वे?

> कोर्ट ने जारी किया नोटिस, दोनों पक्षों से मांगा जवाब

नई दिल्ली।

संभल में शाही जामा मस्जिद के सर्वे के बाद हुई हिंसा का मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा था कि राजस्थान के अजमेर जिले में दरगाह शरीफ के सर्वे को लेकर बुधवार को कोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने हिंदू पक्ष की याचिका को स्वीकार कर लिया।

याचिका में अजमेर शरीफ दरगाह को हिंदू मंदिर बताया गया है। यह याचिका हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की ओर से दायर की गई थी। कोर्ट ने संबंधित पक्षों को नोटिस जारी करने का आदेश दिया और अगली सुनवाई की तारीख 20 दिसंबर तय की। हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने दरगाह से संबंधित मुद्दों को उठाते हुए कानूनी हस्तक्षेप की मांग की थी।

उन्होंने कहा कि यह मामला धार्मिक भावनाओं और सामाजिक सौहार्द से जुड़ा हुआ है, जिसके समाधान के लिए कोर्ट का हस्तक्षेप आवश्यक है। कोर्ट द्वारा वाद को स्वीकार करने के बाद यह मामला और अधिक गंभीरता से देखा जा रहा है। कोर्ट ने संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है। 20 दिसंबर को पक्षों के तर्क और दस्तावेज प्रस्तुत किए जाएंगे. इस विवाद ने सामाजिक और धार्मिक स्तर पर व्यापक चर्चा को जन्म दिया है। हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कहना है कि यह मामला हिंदू समाज की धार्मिक आस्थाओं से जुड़ा है। वहीं दरगाह के प्रतिनिधियों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। कोर्ट के फैसले के बाद आगे की कार्यवाही पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। विष्णु गुप्ता की ओर से दाखिल की गई याचिका में दरगाह शरीफ में शिव मंदिर होने का दावा किया गया है। कोर्ट में पिछली सुनवाई के दौरान सबूत के तौर पर एक खास किताब पेश की गई थी. इस किताब के हवाले से यह दावा किया गया था कि दरगाह में एक हिंदू मंदिर था।

दरगाह में हिंदू मंदिर होने का जिक्र

यह किताब अजमेर निवासी हर विलास शारदा द्वारा वर्ष 1911 में लिखी गई थी। इस किताब का हवाला देते हुए विष्णु गुप्ता ने अपनी याचिका में कहा कि दरगाह की जमीन पर पहले भगवान भोलेनाथ का एक मंदिर था। इस शिव मंदिर में पूजा और जलाभिषेक होता था। दरगाह परिसर में मौजूद 75 फीट लंबे बुलंद दरवाजे के निर्माण में मंदिर के मलबे के अंश हैं. यही नहीं दरगाह के तहखाने में गर्भगृह है।

चौथी बार सीएम बनेंगे हेमंत सोरेन

आज शपथ ग्रहण समारोह में विपक्षी नेताओं का लगेगा जमावड़ा

रांची। झारखंड में आज नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा, जिसमें झामुमो नेता और कार्यवाहक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन चौथी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। हेमंत सोरेन ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा के गमलील हेम्ब्रोम को 39 हजार 791 मतों के अंतर से हराकर बरहेट सीट बरकरार रखी। वहीं शपथ ग्रहण लेकर राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में भव्य तैयारियां भी की जा रही है। शपथ ग्रहण समारोह के समय की बात करें, तो राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार शाम 4 बजे हेमंत सोरेन को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। इससे पहले हेमंत सोरेन ने खुद तैयारियों का जायजा भी लिया है। जानकारी के अनुसार, झारखंड में शपथग्रहण कार्यक्रम के लिये इंडिया गठबंधन के कुल 18 नेताओं को आमंत्रित किया गया है. इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, एनसीपी प्रमुख शरद पवार, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, मेघालय के सीएम कॉनराड संगमा, पंजाब के सीएम भगवंत मान और हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुखू शामिल हैं। अन्य प्रमुख नेताओं में सीपीआई (एमएल) महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, आप नेता अरविंद केजरीवाल, शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती, तमिलनाडु से उदयनिधि स्टालिन, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार और बिहार के विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव शामिल हैं।

बताते चलें कि इससे पहले दिन गठबंधन के नेताओं और विधायकों ने हेमंत सोरेन के आवास पर एक बैठक के दौरान उन्हें सर्वसम्मति से गठबंधन का नेता चुना। सोरेन की झामुमो नीत गठबंधन ने शनिवार को झारखंड में शानदार जीत हासिल करते हुए लगातार दूसरी बार सत्ता हासिल की। 'इंडिया' गठबंधन ने 81 सदस्यीय विधानसभा में 56 सीट जीती हैं। हालांकि, भाजपा नीत राजग को भारी महज 24 सीट मिलीं। राज्य विधानसभा में बहुमत के लिए 41 सीट की जरूरत है। सोरेन ने भाजपा के गमलियल हेम्ब्रम को 39,791 मतों से हराकर बरहैट सीट बरकरार रखी। सोरेन को 95,612 मत मिले, जबकि हेम्ब्रम को 55,821 मत मिले।

जेपीसी ने कार्यकाल बढ़ाने का फैसला किया

नई दिल्ली। वक्फ (संशोधन) विधेयक की जांच कर रही संसदीय समिति (जेपीसी) ने बुधवार को सर्वसम्मति से अगले बजट सत्र के अंतिम दिन तक अपने कार्यकाल को बढ़ाने का फैसला किया। बैठक में विपक्षी सदस्यों ने अध्यक्ष जगदंबिका पाल के इस रुख पर नाराजगी जताई कि इसकी मसौदा रिपोर्ट स्वीकार किए जाने के लिए तैयार है। बैठक की शुरुआत हंगामे के साथ हुई, क्योंकि विपक्षी सदस्यों ने सदन से वॉकआउट किया और संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष पाल की आलोचना की। पाल और समिति के भाजपा सदस्यों ने उनसे संपर्क किया, जिसके बाद माहौल शांत हुआ। उन्होंने समिति की रिपोर्ट लोकसभा में जमा करने की 29 नवंबर की समयसीमा को बढ़ाने के लिए दबाव बनाने की इच्छा जताई। भाजपा सांसद पाल ने कहा कि समिति अपने विचार में एकमत है, क्योंकि उसे छह राज्यों सहित कुछ अन्य हितधारकों की बात भी सुननी है, जहां वक्फ और राज्य सरकारों के बीच विवाद हैं। पाल ने संवाददाताओं से कहा, हमें लगता है कि इसकी समयसीमा बढ़ाने की जरूरत है।

जम्मू के 4 जिलों के 56 ठिकानों पर छापेमारी

लश्कर-जैश से जुड़े होने का शक, कई संदिग्ध गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर पुलिस ने दो दिन में 56 आतंकवादी ठिकानों पर रेड कर जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के कई संदिग्ध आतंकवादियों और ग्राउंड वर्कर्स को गिरफ्तार किया है। जम्मू रीजन के चार जिलों में हुई छापेमारी में पुलिस को कई हथियार, कैश, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और दस्तावेज बरामद हुए हैं। इंटेलिजेंस के आधार पर पुलिस ने मंगलवार को राजौरी जिले में घरों सहित 9 इलाकों की कई लोकेशन पर छापे मारे। इसके अलावा दो दिन में पुंछ की 12, उधमपुर की 25 और रियासी की 10 लोकेशन पर पुलिस ने रेड की। जम्मू जोन के एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (एडीजी) आनंद जैन ने कहा कि जब्त किए गए सामान और जानकारी के आधार पर आगे की जांच की जाएगी। इलाके में शांति बनाए रखने के लिए जरूरत पड़ने पर ऐसे और ऑपरेशन किए जा सकते हैं। पुलिस की रेज जैश और लश्कर से संबंधित संदिग्ध आतंकवादियों और उनके लिए ग्राउंड पर काम करने वाले लोगों पर की गई। पुलिस को शक था कि ये लोग जम्मू में और ऑन-ग्राउंड वर्कर्स एक्टिवेट करना चाहते हैं, जिससे आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ाया जा सके। एडीजीपी जैन ने जम्मू के नागरिकों से भी आतंकवादियों, उनके साथियों और इलाके में कोई भी संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तुरंत पुलिस को देने की अपील की है।

संसद में जोरदार हंगामा

अडानी मामले पर चर्चा की हुई मांग

नई दिल्ली। बुधवार को संसद के शीतकालीन सत्र का दूसरा दिन था. लोकसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई. जैसे ही कार्यवाही शुरू हुई, विपक्ष ने अडानी मुद्दे पर हंगामा करना शुरू कर दिया। विपक्ष ने अडाणी समूह से जुड़ी कई गंभीर आरोपों को उठाया और सरकार से जवाब देने की मांग की। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद के बाहर कहा कि अडानी पर अमेरिका में 2 हजार करोड़ की रिश्वत देने का आरोप है. उन्हें जेल में होना चाहिए. मोदी सरकार उन्हें बचा रही है। सत्र शुरू होने से पहले कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने अडानी ग्रुप मामले पर जेपीसी गठन के मुद्दे पर चर्चा के लिए लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया। कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर ने भी लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया. उन्होंने अडानी पर अभियोग के मुद्दे पर चर्चा की मांग की। नोटिस में कहा गया, इस मामले पर मोदी सरकार की चुप्पी भारत की अखंडता पर सवाल उठाती है। प्रधानमंत्री मोदी को अदाणी के साथ अपनी दोस्ती के बारे में सवालों का जवाब देना चाहिए। इस बीच, दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई फिर, दोपहर 12 बजे कार्यवाही फिर से शुरू हुई लेकिन हंगामा जारी रहा। विपक्ष ने यूपी के संभल जिले में हाल ही में हुई हिंसा का मुद्दा भी उठाया और आरोप लगाया कि वहां कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ गई है.

सोशल मीडिया पर अश्लील कंटेंट पर बोले केंद्रीय मंत्री

सोशल मीडिया पर अश्लील कंटेंट की जांच करने के लिए कानूनों पर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में कहा, 'हमारे देश और उन देशों की संस्कृति में बहुत अंतर है जहां से ये सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म आए हैं। इसलिए मैं चाहूंगा कि संसद की स्थायी समिति इस मुद्दे को उठाए और इस बारे में सख्त कानून बनाए जाएं।

आईआईटी कानपुर ने की चमत्कारिक खोज

अदृश्य हो पाएंगे भारतीय फाइटर जेट्स और मिसाइलें

कानपुर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' मुहिम ने एक और नई छलांग लगाई है। आईआईटी कानपुर ने एक चमत्कारिक खोज की है, जिसे अनलक्ष्य मेटामटेरियल सरफेस क्लोकिंग सिस्टम (एमएसीएस) नाम दिया है। यह एक स्टील्थ टेक्नोलॉजी है, जिससे भारतीय विमान, फाइटर जेट्स और मिसाइलें अदृश्य हो पाएंगे।

इस टेक्नोलॉजी की खोज से भारत की सैन्य ताकत कई गुना बढ़ेगी। कह जा सकता है कि ये तकनीकि चीन और पाकिस्तान के लिए शामत लाएगी।

अनलक्ष्य स्टील्थ टेक्नोलॉजी की खूबियों को देखकर एयरफोर्स ऑफिसर हैरान रह गए। लॉन्च कार्यक्रम में एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित, एयर मार्शल राजेश कुमार और लेफ्टिनेंट जनरल चेरिश मैथसन सहित प्रमुख रक्षा अधिकारियों ने भाग लिया, जिन्होंने इस नई खोज के लिए आईआईटी कानपुर टीम की सराहना की। यह टेक्नोलॉजी न केवल स्टील्थ तकनीक में एक छलांग है, बल्कि शिक्षा, उद्योग और सैन्य मोर्चे के लिए बड़ी कारगार साबित होगी। इससे युद्ध में दुश्मन के खिलाफ रणनीतिक बढ़त मिल पाएगी। अनलक्ष्य एक स्टील्थ टेक्नोलॉजी है, जिसे आईआईटी कानपुर के सिचर्स और स्टूडेंट्स की एक टीम ने बनाया है।

यह कपड़ा-आधारित ब्रॉडबैंड मेटामटेरियल माइक्रोवेव अवशोषक है। इसकी सबसे अनोखी खासियत ये है कि ये रडार को अवशोषित कर लेता है, जिससे इसे दुश्मन के रडार पकड़ नहीं पाएंगे। डिफेंस सेक्टर और नेशनल सिक्योरिटी के मोर्चे पर ये खोज भारत के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी। अनलक्ष्य स्टील्थ टेक्नोलॉजी 'मेक इन इंडिया' मुहिम की नई छलांग है. ये खोज डिफेंस सेक्टर में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता को दर्शाता है। 'अनलक्ष्य' को बनाने में 90% भारतीय सामान का इस्तेमाल किया गया है।

पांच साल बाद मिली सफलता

इसको बनाने में आईआईटी कानपुर 2019 साल से लगा हुआ था। आखिरकार करीब 5 साल बाद उसे सफलता मिली और 'अनलक्ष्य' को बनाने का सपना साकार हो पाया. अब इसको डेवलप करने का लाइसेंस मेटा तत्व सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड दिया गया है।

CMYK

ग्रीन एनर्जी ने निवेशकों किया मालामाल

नई दिल्ली.

एनटीपीसी की सहायक कंपनी आईपीओ आज शेयर में लिस्ट हुआ. इस आईपीओ ने निवेशकों को लिस्ट होते अच्छा मुनाफा दिया. आईपीओ आज यानी 27 नवंबर को 3 फीसदी के प्रीमियम पर लिस्ट हुआ और लिस्ट होते ही आधे घंटे के भीतर इसके शेयरों में रैली देखने को मिली. शेयर 111.60 रुपये से उछलकर 122.75 पर पहुंच गए. एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में लिस्टिंग के आधे के भीतर ही 13.65 फीसदी की तेजी देखी गई. आधे घंटे में ही कंपनी का मार्केट कैप 12,434 करोड़ बढ़ गया.

लिस्टिंग के पहले इसके ग्रे मार्केट प्रीमियम में गिरावट देखी गई थी. कल यानी 26 नवंबर को इसका 3 रुपये था. वहीं, कुछ दिन पहले जीएमपी 25 रुपये पर था. ग्रीन एनर्जी का आईपीओ 19 नवंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुला और 22 नवंबर तक इस आईपीओ में बोली लगाने का समय था. एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का प्राइस बैंड 102 रुपये से 108 रुपये प्रति शेयर था और इसमें मिनिमम इंवेस्टमेंट 14,904 रुपये का था. कंपनी का आईपीओ के जरिए 10,000 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य था. आईपीओ को कुल 2 गुना से ज्यादा सब्सक्राइब किया गया था, जिसमें इश्यू के रिटेल कैटेगरी में 3.33 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था और इस आईपीओ 3.32 गुना सब्सक्राइब किया गया था. वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स कैटगरी में 0.82 गुना सब्सक्राइब किया गया था. पास छह राज्यों में सौर परियोजनाओं से 3,220 मेगावाट और पवन परियोजनाओं से 100 मेगावाट के साथ 3,320 मेगावाट की परिचालन क्षमता थी. एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी बिजली खरीद समझौतों के माध्यम से भारतीय सरकारी एजेंसियों और निजी कंपनियों को सोलर और विंड ऊर्जा बेचकर कमाई करती है. 30 जून, 2024 तक, इसका कुल पोर्टफोलियो 14,696 मेगावाट तक पहुंच गया था, जिसमें 2,925 मेगावाट की परिचालन परियोजनाएं और 11,771 मेगावाट की कॉन्ट्रैक्टेड और रिवार्डेड प्रोजेक्ट शामिल हैं.

अच्छी उपज से घटेगी खाद्य वस्तुओं की महंगाई

देशों के बीच तनाव से आपूर्ति श्रृंखला पर असर

नई दिल्ली.

कृषि की बेहतर उपज से आने वाले महीनों में जरूरी वस्तुओं की खाद्य महंगाई में गिरावट आएगी। हालांकि, कई देशों के बीच तनाव से आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित भी हो सकती है। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को जारी अक्तूबर की रिपोर्ट में कहा, मानसून की अच्छी स्थिति, बढ़े हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य और खेती में इस्तेमाल होने वाले माल की पर्याप्त आपूर्ति से कृषि को लाभ मिलेगा।

रिपोर्ट के अनुसार, बेहतर कृषि उपज की संभावनाओं ने चुनिंदा खाद्य वस्तुओं में मौजूदा मूल्य दबावों के बावजूद महंगाई के परिदृश्य को नरम बना दिया है। नवंबर के रुझानों और खरीफ की बंपर फसल से आने वाले महीनों में खाद्य महंगाई कम होगी।

निर्यात सुधार में चुनौतियां अब भी बरकरार

रिपोर्ट के अनुसार, औपचारिक कार्यबल का विस्तार हो रहा है। विनिर्माण क्षेत्र की नौकरियों में उल्लेखनीय वृद्धि और संगठित क्षेत्रों में युवाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। विकसित बाजारों में मांग में नरमी के कारण भारत के निर्यात सुधार को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। सेवा क्षेत्र के व्यापार में अच्छी तेजी बनी हुई है।

आर्थिक गतिविधियों के कई संकेतकों ने अक्तूबर में अच्छी वापसी दिखाई है। इसमें ग्रामीण और शहरी मांग प्रमुख है।इस साल अप्रैल से अगस्त के बीच शुद्ध विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

वॉरेन बफे ने 1.1 अरब डॉलर दान किया

नई दिल्ली.

बर्कशायर हैथवे के प्रमुख अरबपति निवेशक और परोपकारी वॉरेन बफे ने कई फाउंडेशनों को 1.1 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त दान दिया है। यह कदम उनके लंबे समय से चले आ रहे वादे को जारी रखता है, जिसके तहत वे अपने जीवनकाल में और उसके बाद धीरे-धीरे अपनी 150 बिलियन डॉलर की विशाल संपत्ति दान करेंगे। बर्कशायर हैथवे के शेयरधारकों को लिखे अपने नवीनतम पत्र में 94 वर्षीय बफे ने जीवन की अनिश्चितता पर गहन व्यक्तिगत विचार व्यक्त किए हैं और अपने निधन के बाद अपनी संपत्ति के वितरण की विस्तृत योजना साझा की है। बफे ने बर्कशायर हैथवे के 1,600 क्लास ए शेयरों को 2,400,000 क्लास बी शेयरों में बदलने की घोषणा की और इन्हें चार पारिवारिक संस्थाओं को वितरित करने का एलान किया। बफ ने खुलासा किया कि उन्होंने अपनी वसीयत को अपडेट कर दिया है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि उनकी मृत्यु के बाद उनकी शेष 99.5 फीसदी संपत्ति कैसे वितरित की जाएगी।

उन्होंने अपने तीन बच्चों - सूसी, होवी और पीटर - पर भरोसा जताया कि वे बर्कशायर में उनकी होल्डिंग्स के क्रमिक वितरण को संभालेंगे। अरबपति ने पैतृक संपत्ति से बचने में अपना विश्वास साझा करते हुए कहा, "मैंने कभी कारोबार वंश के भरोसे आगे बढ़े या काम में बच्चों को आगे बढ़ाया जाए ऐसी कोई योजना नहीं बनाई।" हालांकि, बफेट ने इतनी बड़ी रकम को प्रभावी ढंग से खर्च करने की चुनौतियों को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि इस धन को वितरित करने में उनके बच्चों के जीवनकाल से भी अधिक समय लग सकता है। इस समस्या को हल करने के लिए, उन्होंने तीन संभावित उत्तराधिकारी ट्रस्टियों का नाम लिया है।

निफ्टी कैपिटल मार्केट इंडेक्स फंड लॉन्च

नई दिल्ली. भारतीय शेयर बाजार में हाल के वर्षों में कैपिटल मार्केट थीम से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में जोरदार तेजी देखने को मिली है. लेकिन जो निवेशक एक से ज्यादा इस थीम से जुड़े स्टॉक्स में निवेश करना चाहते हैं उनके लिए मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड अपना लेटेस्ट फंड ऑफर लेकर आया है जिसका नाम है मोतीलाल ओसवाल निफ्टी कैपिटल मार्केट इंडेक्स फंड ये एनएफओ लेकर 10 दिसंबर 2024 तक निवेशकों के निवेश के लिए खुला रहेगा. मोतीलाल ओसवाल निफ्टी कैपिटल मार्केट इंडेक्स फंड निवशकों को कैपिटल मार्केट थीम्स वाली लिस्टेड स्टॉक्स में एक्सपोजर दे रहा है. इस इंडेक्स में 15 कंपनियां शामिल है जो कि निफ्टी 500 का भी हिस्सा है. कैपिटल मार्केट इंडेक्स फंड के एनएफओ में 26 नवंबर से लेकर 10 दिसंबर 2024 तक निवेशक आवेदन कर सकेंगे. निफ्टी कैपिटल मार्केट टोटल रिटर्न इंडेक्स इस फंड का बेंचमार्क है. पोर्टफोलियो स्ट्रैटजी को देखें तो ये हाई-ग्रोथ वाला फंड है. जो हाई रिस्क लेने वाले निवेशकों के लिए है. ये फंड उन निवेशकों के लिए है जो लॉन्ग-टर्म कैपिटल ग्रोथ और रिटर्न्स की चाहत रखते हैं. निफ्टी कैपिटल मार्केट टोटल रिटर्न इंडेक्स ने पिछले एक साल में निवेशकों को 96.9 फीसदी का रिटर्न दिया है. और पिछले 3 वर्षों में 31 अक्टूबर 2024 तक ये इंडेक्स फंड 31.9 फीसदी का रिटर्न दे चुका है. मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड के मुताबिक ये थीम निवेशकों को शानदार रिटर्न देने का दमखम रखता है लेकिन इसमें भारी उतार-चढ़ाव की भी संभावना है. साल 2010 से लेकर 2024 के बीच एक्सचेंज वॉल्यूम और टर्नओवर में 52 फीसदी का उछाल सालाना देखने को मिला है और वित्त वर्ष 2024-25 तक 95000 लाख करोड़ रुपये मंथली औसतन टर्नओवर पहुंचने का अनुमान है.

खाते में पेंशन की टेंशन होगी खत्म

नई दिल्ली.

अगर आप भी डिफेंस सेवा से रिटायर्ड हैं दरअसल डिफेंस पेंशनरों के खाते में समय पर पेंशन पहुंचाने के लिए आईटी सेवा देने वाली कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज की मदद से एक खास प्रणाली का इस्तेमाल किया. अब इसका कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने से पहले ही कंपनी ने स्पर्श (सिस्टम फॉर पेंशन एडमिनिस्ट्रेशन - रक्षा) के लिए अपने कॉन्ट्रैक्ट को तीन साल के लिए बढ़ा दिया है. यह भारत सरकार के 3 मिलियन से अधिक डिफेंस पेंशनर्स को पेंशन का भुगतान करने में तेजी लाने के लिए शुरू किया गया एक प्रोजेक्ट है.

कंपनी ने 26 नवंबर को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि कॉन्ट्रैक्ट के अनुसार, आईटी सेवा प्रमुख कार्यक्रम के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर को बनाए रखने के अलावा कुछ जरूरी सिस्टम को अपडेट करना है. स्पर्श पर अक्टूबर 2020 पेंशन प्रोसेसिंग की शुरुआत की. स्पर्श के डिजिटल परिवर्तन का नतीजा ये रहा कि पेंशन प्रोसेसिंग की समयसीमा 12 से 18 महीने से घटकर मात्र 14 दिन रह गया. इसके अलावा पहली बार पेंशन भुगतान अब 5-7 सात दिनों में दे दिया जाता है. कंपनी ने कहा, "वन रैंक वन पेंशन (ओआरओपी) योजना को लागू करना में टीसीएस की सहयोग लेना इसके लिए एक बड़ी उपलब्धि रही है. ओआरओपी यह गारंटी देता है कि समान रैंक और सेवा के वर्षों वाले डिफेंस कर्मियों को एक समान पेंशन मिलेगी फिर चाहे वे कब रिटायर हों. कंपनी ने कहा कि ओआरओपी को 15 दिनों की रिकॉर्ड गति से 1.8 मिलियन पात्र पेंशनर्स को भेजा गया है और यह सब टीसीएस की छह से आठ महीनों से प्रसंस्करण समय को केवल दो सप्ताह तक कम करने की क्षमता के बदौलत हो पाया है. स्पर्श कार्यक्रम ने पेंशन वितरण प्रक्रिया को आसान बनाकर और बैंक सेवा शुल्क को समाप्त करके सरकार को सालाना लगभग 250 करोड़ रुपये की बचत कराई है।

आईपीओ की फीकी लिस्टिंग के बाद दौड़ा शेयर

नई दिल्ली. एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के आईपीओ की स्टॉक एक्सचेंज पर फीकी लिस्टिंग हुई है. 108 रुपये के इश्यू प्राइस वाला स्टॉक एनएसई पर इश्यू प्राइस से 3.24 फीसदी ऊपर 111.50 रुपये पर लिस्ट हुआ है. बीएसई पर एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का शेयर 3.33 फीसदी के उछाल के साथ 111.60 रुपये पर लिस्ट हुआ है. हालांकि लिस्टिंग के बाद निवेशकों की खरीदारी के चलते स्टॉक में शानदार तेजी देखने को मिली है. एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का शेयर 10 फीसदी के उछाल के साथ 118.80 रुपये पर जा पहुंचा है.

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का आईपीओ 19 से 22 नवंबर, 2024 तक खुला हुआ था. कंपनी ने आईपीओ के जरिए 10000 करोड़ रुपये जुटाए हैं. 10 रुपये के फेस वैल्यू पर 102-109 रुपये प्रति शेयर के प्राइस बैंड फिक्स किया गया था. रिटेल निवेशकों और संस्थागत निवेशकों के दमकर आईपीओ का बेड़ा पार हुआ. संस्थागत निवेशकों का कोटा 3.51 गुना तो रिटेल निवेशकों का रिजर्व कोटा 3.59 गुना सब्सक्राइब हुआ है. लेकिन गैर-संस्थागत निवेशकों ने आईपीओ से दूरी बना ली और केवल 0.85 गुना ही उनका रिजर्व कोटा भरा जा सका है.

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का आईपीओ कुल 2.55 गुना ही भरा जा सका था. एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के आईपीओ में 138 शेयरों का एक लॉट का साइज था जिसके लिए 14904 रुपये का भुगतान करना था. निवेशक कम से कम एक लॉट के लिए और ज्यादा से ज्यादा 13 लॉट यानि 1794 शेयरों के लिए आवेदन कर सकते थे.

इंफोसिस में कर्मचारियों की बल्ले बल्ले

नई दिल्ली.

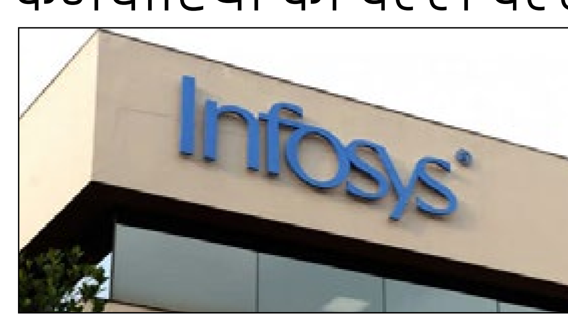

देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी इंफोसिस ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की सितंबर में समाप्त होने वाली दूसरी तिमाही के लिए अपने योग्य कर्मचारियों को उनके बेहतर प्रदर्शन के लिए 90 फीसदी बोनस देने की घोषणा की है. बोनस का लाभ डिलिवरी और बिक्री इकाइयों में मीडियम और जूनियर लेवल के कर्मचारियों को दिया जाएगा. ये संख्या बेंगलुरु मुख्यालय वाली सॉफ्टवेयर कंपनी के 3.15 लाख से अधिक कर्मचारियों का एक बड़ा हिस्सा हैं. कंपनी ने कर्मचारियों को भेजे गए ईमेल में कहा कि वह नवंबर माह की सैलरी के साथ बोनस क्रेडिट करेगी. हालांकि, तिमाही के लिए कर्मचारी के प्रदर्शन और उनके योगदान के आधार पर सबके भुगतान प्रतिशत अलग-अलग रहे हैं. दूसरी तिमाही में हमने अधिक मुनाफे के साथ बेहतर प्रदर्शन किया है, जिससे हमारी मार्केट वैल्यू और मजबूत हुई है. यह सफलता आपके अटूट समर्पण, मार्जिन प्रदर्शन पर हमारे रणनीतिक फोकस की देन है. आपकी प्रतिबद्धता हमारी क्षमताओं के निर्माण और हमारे ग्राहकों को सुविधा देने में मदद कर रही है. इंफोसिस ने सितंबर में समाप्त हुई तिमाही में लगातार दूसरी तिमाही में कारोबार में बढ़त हासिल किया है. सितंबर तिमाही में इसकी एकीकृत कमाई सालाना आधार पर 4.7 फीसदी बढ़कर 6,506 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है. वहीं इसकी कुल कमाई में 5.1 फीसदी की बढ़त हुई है और यह 40,986 करोड़ रुपये हो गया. इस बार भी कंपनी ने कर्मचारियों को भेजे गए ईमेल में यूनिट-वार कितना भुगतान कर रहा है इसका खुलासा नहीं किया है. इंफोसिस ने नकदी बचाने के लिए वित्त वर्ष 2021-22 में वेतन बढ़ाने पर रोक लगा दी थी. पिछले साल अक्टूबर में अपना वार्षिक मूल्यांकन चक्र शुरू किया और दिसंबर 2023 में अंतिम वेतन चक्र के लिए वेतन संशोधन पत्र जारी किया था.

टाटा मोटर्स ने किया नागपुर में ट्रक उत्सव का आयोजन

नागपुर. भारत की सबसे बड़ी वाणिज्यिक वाहन निर्माता कंपनी, टाटा मोटर्स ने 25 नवंबर, 2024 को नागपुर में 'देश का ट्रक उत्सव' आयोजित किया। यह एक दिन का आयोजन था, जिसका उद्देश्य ट्रकिंग समुदाय को सशक्त बनाना था। इस कार्यक्रम में टाटा मोटर्स के नए ट्रकों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई और प्रत्यक्ष अनुभव भी साझा किया गया। इनमें टाटा प्राइमा 5530.S एलएनजी ट्रक भी शामिल था, जो एलएनजी से चलता है और इसमें दो क्रायोजेनिक टैंक हैं, जिससे यह 1000 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय कर सकता है। यह ट्रक लंबी यात्रा के लिए बेहतरीन है और इसकी संचालन क्षमता शानदार है। ट्रक उत्सव का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों के फायदे को बढ़ाना और स्वामित्व की कुल लागत (टीसीओ) को कम करना था। इसमें टाटा मोटर्स के नए नवाचार और सेवाएं भी दिखाए गए, जो ट्रकिंग इकोसिस्टम को और भी बेहतर बनाने में मदद करेंगे। इस इवेंट के दौरान आगंतुकों को फ्लीट का प्रदर्शन बढ़ाने, ईंधन क्षमता में सुधार करने और ज़्यादा फायदा कमाने पर विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिला। उन्‍हें वाहनों की गहन जानकारी देने वाली प्रस्तुति का भी लाभ मिला और टाटा मोटर्स के कॉम्‍प्रीहेंसिव आफ्टर-सेल्‍स सपोर्ट के बारे में बताया गया। इसमें वाहन के रखरखाव के लिये प्रोग्राम, फ्लीट के प्रबंधन के लिये समाधान, रखरखाव के वार्षिक पैकेज और 'संपूर्ण सेवा 2.0' पहल के माध्यम से 24/7 रोडसाइड असिस्‍टेन्स शामिल है। इसे ग्राहकों को उनके फ्लीट्स से लंबे समय तक सफलता पाने पर विस्तृत सूचना देने के लिए डिजाइन किया गया है। टाटा मोटर्स केबिन ऑप्शन वाले ट्रकों की सबसे बड़ी श्रृंखला की पेशकश करती है। इनमें एलपीटी, अल्ट्रा, सिग्ना और प्राइमा शामिल हैं। यह ट्रक फुली-बिल्‍ट बॉडी ऑप्शन के साथ उपलब्ध हैं और वस्तुओं की आवाजाही की विविध मांगों को पूरा करने के लिये डिजाइन किये गये हैं। ऐसी मांगों में मार्केट लोड, खेती, सीमेंट, आयरन एवं स्टील, कंटेनर, पेट्रोलियम, केमिकल, वाटर टैंकर्स, एलपीजी, एफएमसीजी, निर्माण, खनन, नगर पालिका के अनुप्रयोग, आदि शामिल हैं। यह रेंज टाटा मोटर्स के कनेक्टेड व्हीकल प्लेटफॉर्म 'फ्लीट एज' से लैस है, जो फ्लीट के प्रबंधन को सक्षम बनाता है। यह वाहन टिकाऊपन के लिए एडवांस टेक्नोलॉजी के साथ इंजीनियर किये गये हैं और ग्राहकों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये कठोर परीक्षण से गुजरे हैं। उन्हें टाटा मोटर्स के विस्‍तृत नेटवर्क का सहयोग भी मिलता है। महाराष्ट्र में 250 सेल्‍स एवं सर्विस टच पॉइंट्स समेत देश में 2500 से ज्यादा टच पॉइंट्स के साथ कंपनी संपूर्ण सहयोग और वाहन का उच्चतम अपटाइम सुनिश्चित करती है।

रूस भारत को कच्चे तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता

आयात में 35 फीसदी से अधिक हिस्सा

नई दिल्ली.

केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि रूस भारत को कच्चे तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया है, जो देश के आयात का 35 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। एफआईपीआई तेल और गैस पुरस्कार समारोह में बोलते हुए, मंत्री ने पिछले दो वर्षों में भारत के तेल सोर्सिंग में नाटकीय बदलाव पर प्रकाश डाला।

रूस से तेल आयात फरवरी 2022 में मात्र 0.2 प्रतिशत से बढ़कर हाल के महीनों में लगातार शीर्ष स्थान पर रहा। पुरी ने कहा, "पिछले कुछ समय से रूस भारत को कच्चे तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता रहा है। प्रतिशत 35 प्रतिशत से ऊपर होगा, लेकिन यह महीने-दर-महीने बदलता रहता है।" उन्होंने कहा कि यह वृद्धि वैश्विक मूल्य गतिशीलता और उपलब्धता से प्रभावित है, जिसमें भारत हाजिर बाजार की खरीद के साथ दीर्घकालिक अनुबंधों को संतुलित करता है। उन्होंने कहा, "फरवरी 2022 में यह 0.2 प्रतिशत जितना कम था, लेकिन फिर यह बढ़ गया। यह कैसे रहेगा और कहां जाएगा, मैं कहता रहता हूं कि ये ऐसे फैसले नहीं हैं जो मंत्रालय लेता है। हमारी तेल विपणन कंपनियां, विशेष ग्रेड के कच्चे तेल के लिए फ्लोर टेंडर जारी करती हैं।" पुरी ने भारत की ऊर्जा साझेदारी की उभरती प्रकृति पर भी जोर दिया, जिसमें सऊदी अरब, यूएई, इराक, कुवैत और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे अन्य महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ताओं का उल्लेख किया गया।

वैश्विक परिदृश्य में अधिक से अधिक ऊर्जा आ रही

केंद्रीय मंत्री ने कहा, "कुछ देशों के लिए, उनके पास दीर्घकालिक समझौते हैं, जबकि अन्य के लिए, वे मौके पर ही खरीद कर रहे हैं और फिर यह कीमत आदि भी एक कारण होता है है। निकट भविष्य में, प्रमुख आपूर्तिकर्ता, सऊदी अरब, यूएई, इराक, कुवैत, संयुक्त राज्य अमेरिका अब बड़े आपूर्तिकर्ता हैं। वैश्विक परिदृश्य में अधिक से अधिक ऊर्जा आ रही है।

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
निकाल
महाराष्ट्र गजलक्ष्मी बुध विकली लॉटरी
सोडत वेळ 4:45 वाजता
सोडत दर बुधवार • सोडत क्रमांक 48 • तिकीट किं. रु. 20/- • सोडत दिनांक 27/11/2024

मालिका	GL-00	GL-01	GL-02	GL-03	GL-04
पहिले बक्षिस रु. 10,000/-	6916	6741	0257	5986	1355

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

दुसरे बक्षिस रु. 5000/-	1092	8262

तिसरे बक्षिस रु. 2000/-	3206	3326	3547	7188	7407

चौथे बक्षिस रु. 1000/-	0961	1115	2230	2360	2575	4299	5046	5284	5376	6592
पाचवे बक्षिस रु. 500/-	0167	0255	1814	2829	4274	4723	8595	9174	9496	9807

सहावे बक्षीस रु. 300/- (सर्व मालिकांसाठी)

	1100	2272	3397	3932	4973	5596	6340	7230	7981	8940
	1101	2338	3410	4068	4977	5600	6375	7234	8086	8956
0044	1105	2376	3431	4082	4983	5627	6396	7240	8195	8979
0052	1218	2423	3459	4101	4994	5664	6469	7279	8309	8989
0058	1219	2603	3513	4169	5051	5737	6493	7301	8333	9271
0082	1265	2611	3534	4230	5055	5755	6547	7353	8469	9317
0250	1404	2642	3566	4262	5066	5774	6621	7371	8585	9337
0258	1490	2643	3617	4357	5073	5805	6646	7377	8589	9338
0353	1541	2662	3643	4443	5150	5810	6647	7405	8671	9490
0450	1768	2686	3716	4474	5162	5953	6658	7490	8737	9526
0453	1787	2728	3717	4475	5276	5961	6686	7567	8800	9861
0614	1791	2866	3743	4544	5350	6043	6808	7631	8826	9863
0618	1811	2911	3779	4636	5442	6092	6903	7634	8827	9887
0700	1911	3010	3838	4695	5456	6146	6904	7667	8829	9894
0892	1980	3053	3855	4779	5466	6179	6928	7753	8843	9931
0905	2036	3082	3864	4797	5477	6224	7081	7790	8878	9944
0906	2102	3303	3893	4799	5526	6247	7095	7805	8885	9949
0978	2228	3306	3927	4836	5535	6326	7151	7834	8887	9960
1020	2245	3390	3930	4864	5581	6336	7217	7940	8931	9999

महाराष्ट्र सह्याद्री मासिक सोडत तिकीट किंमत रु. 50/- सोडत दिनांक 10-12-2024
22 लाख
2 लाख
12 लाख
महाराष्ट्र गजलक्ष्मी बुध विकली लॉटरी सोडत दिनांक 27/11/2024
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

महाराष्ट्र अक्षय विकली लॉटरी सोडत दर बुधवारी तिकीट किंमत रु. 50/- सोडत क्र. 48 सोडत दिनांक 27/11/2024

पहिले सामाईक बक्षिस रु. 7 लाख	AK-04 : 6992
उत्तेजनार्थ बक्षिस रु. 5000/-	6992

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 2000/-	1255	3124	4999	5226	5819	6587
तिसरे बक्षिस रु. 1000/-	1179	2259	2867	3557	5180	6278
चौथे बक्षिस रु. 500/-	1481	3028	3943	6043	6430	6631
पाचवे बक्षिस रु. 200/-	4313	4596	4922	5197	5414	6182

सहावे बक्षिस रु. 100/- (सर्व मालिकांसाठी)

		1740	2178	2459	3034	3418	3833	4244	4647	5188	5650	6103	6632
		1779	2184	2462	3037	3419	3835	4245	4687	5190	5656	6110	6634
1005	1271	1795	2188	2473	3057	3426	3842	4253	4712	5205	5664	6118	6636
1011	1301	1801	2202	2490	3063	3429	3887	4293	4731	5218	5671	6127	6652
1012	1312	1803	2207	2498	3088	3443	3910	4316	4733	5237	5705	6146	6655
1021	1349	1816	2216	2500	3123	3447	3933	4323	4748	5255	5728	6148	6660
1047	1381	1820	2229	2533	3133	3479	3959	4329	4770	5271	5767	6170	6661
1052	1397	1833	2231	2538	3135	3483	3973	4340	4791	5314	5775	6224	6664
1062	1398	1839	2239	2549	3170	3490	3975	4378	4798	5327	5818	6231	6669
1070	1455	1848	2248	2569	3184	3497	3983	4394	4826	5355	5850	6256	6672
1074	1468	1871	2251	2571	3203	3512	3987	4400	4832	5356	5853	6260	6676
1080	1469	1878	2252	2591	3220	3539	4000	4405	4840	5358	5854	6262	6682
1081	1480	1887	2259	2600	3230	3540	4002	4408	4850	5365	5871	6266	6689
1097	1497	1901	2263	2602	3299	3554	4010	4417	4870	5384	5879	6276	6696
1104	1500	1905	2271	2608	3303	3582	4047	4422	4908	5397	5885	6278	6698
1110	1501	1907	2281	2633	3308	3603	4049	4429	4939	5405	5887	6299	6760
1119	1512	1914	2283	2645	3312	3619	4061	4430	4945	5453	5906	6306	6761
1120	1513	1918	2284	2652	3316	3639	4065	4433	4946	5501	5925	6312	6787
1124	1515	1947	2291	2702	3325	3678	4071	4434	4953	5509	5945	6316	6796
1140	1535	1954	2295	2722	3328	3683	4086	4439	4974	5514	5989	6319	6797
1141	1549	1955	2299	2724	3330	3685	4088	4447	4982	5516	6013	6334	6800
1144	1561	1960	2305	2725	3331	3691	4094	4448	4998	5525	6025	6336	6803
1146	1579	1967	2324	2728	3332	3709	4099	4450	5015	5530	6027	6341	6808
1150	1587	1974	2325	2732	3336	3721	4103	4454	5030	5531	6033	6350	6823
1154	1608	1990	2330	2743	3340	3730	4112	4455	5052	5543	6039	6356	6834
1158	1621	2002	2334	2745	3346	3737	4156	4460	5057	5549	6053	6399	6837
1159	1665	2018	2341	2748	3347	3738	4177	4468	5075	5575	6060	6462	6860
1167	1681	2049	2347	2772	3350	3748	4179	4475	5106	5576	6063	6464	6865
1179	1696	2071	2377	2792	3354	3763	4186	4483	5119	5579	6065	6466	6886
1185	1701	2074	2382	2882	3360	3765	4188	4484	5125	5584	6066	6476	6898
1186	1710	2088	2395	2917	3379	3771	4207	4512	5132	5585	6069	6487	6926
1195	1711	2118	2400	2923	3384	3774	4211	4518	5148	5586	6072	6507	6934
1235	1715	2128	2419	2980	3385	3788	4213	4532	5157	5587	6083	6564	6938
1249	1716	2146	2420	2992	3389	3793	4224	4589	5171	5591	6085	6602	6944
1251	1717	2164	2453	3027	3399	3824	4235	4614	5173	5597	6086	6607	6964
1258	1719	2167	2454	3032	3410	3831	4238	4646	5174	5599	6088	6618	6996

महाराष्ट्र गणेशलक्ष्मी मासिक सोडत तिकीट किंमत रु. 100/- सोडत दिनांक 14-12-2024
22 लाख
दुसरे बक्षिस ₹ 3 लाख
तिसरे बक्षिस ₹ 5 लाख
अक्षय सोडत दिनांक 27/11/2024
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

विदर्भ स्टॉकिस्ट प्रविण कडू : 9822472123

राज्य में मेरी पहचान प्यारे भाई के रूप में बनी: शिंदे

> सभी मतदाताओं को दिया धन्यवाद

मुंबई.

महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने स्पष्ट किया कि हम भाजपा के नेताओं, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह द्वारा लिए गए निर्णय को स्वीकार करेंगे। कुछ देर पहले एकनाथ शिंदे ने ठाणे स्थित अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की. इसमें उन्होंने एक अहम घोषणा की. उस वक्त उन्होंने महाराष्ट्र की जनता को धन्यवाद दिया था.

हमने बाला साहेब ठाकरे के विचारों को लिया और उन्हें आगे बढ़ाया।' मैं आनंद दिघे के विचारों के साथ गया था. हमें अमित शाह और नरेंद्र मोदी ने कहा था कि हम आपके पीछे पहाड़ की तरह खड़े हैं . उन्होंने हमें मुख्यमंत्री का पद दिया. मैंने हर दिन, हर पल का उपयोग राज्य की भलाई के लिए किया। मैं मोदी और अमित शाह को धन्यवाद देता हूं. क्योंकि उन्हें समर्थन मिला. इन ढाई वर्षों में प्रगति की गति बढ़ी। मैं अपने ढाई साल के कार्यकाल से संतुष्ट हूं. हमारी सरकार में लिए गए फैसले रिकॉर्ड तोड़ हैं। पत्रकार हों, किसान हों, प्यारी बहनें हों, हमने सबकी समस्याओं का समाधान किया। हमारे समय में 124 सिंचाई परियोजनाओं का निर्माण हुआ है। इस राज्य की प्रगति की गति बढ़ी है. ये बात एकनाथ शिंदे ने भी कही है .

मैंने लोकप्रियता हासिल करने या किसी स्तर पर पहुंचने के लिए काम नहीं किया। इसलिए हमने वह देने की कोशिश की जो हम एक सरकार के रूप में दे सकते हैं। मैं एक बार फिर कह सकता हूं कि केंद्र सरकार पहाड़ बनकर खड़ी हो गयी है. दो-ढाई साल में हमें केंद्र से लाखों करोड़ का फंड मिला. तो मैं बस यही कहूंगा कि घोड़ा कहां रुका है? मैं आपको स्पष्ट रूप से बता रहा हूं, मैं कुछ भी नहीं बढ़ा रहा हूं। मैंने मोदी को फोन किया और कहा कि अगर सरकार बनाने में कोई दिक्कत हो तो मेरी वजह से यह बात मन में मत लाना. आपका निर्णय भाजपा के लिए अंतिम है क्योंकि यह हमारे लिए अंतिम है। एकनाथ शिंदे (एकनाथ शिंदे) ने मोदी और अमित शाह से कहा कि कोई दिक्कत नहीं होगी. एकनाथ शिंदे ने बताया कि मैंने उनसे कहा कि आपको अपना फैसला लेना चाहिए. हम पर वोटों की बारिश महागंठबंधन सरकार के काम और लिये गये निर्णयों के कारण हुई है. प्यारी बहनों के प्यारे भाई के रूप में मेरी पहचान महाराष्ट्र में बनी है।

प्यारे भाई की पहचान किसी भी पद से बड़ी होती है- शिंदे

प्यारी बहनों ने पहचान लिया कि सौतेला भाई कौन है। मैं संतुष्ट हूं। प्यारी बहनों का प्यारा भाई होने की पहचान मेरे लिए किसी भी उपाधि से बढ़कर है। एकनाथ शिंदे ने कहा है कि मैं बिल्कुल भी गुस्सा नहीं हूं, हम रो नहीं रहे हैं, बल्कि हम फाइटर हैं, हम लड़ने वाले और काम करने वाले लोग हैं. हम लोगों के पास गए, घर पर नहीं बैठे. हमने जो किया दिल से किया. एकनाथ शिंदे ने यह भी कहा है कि मैं अपने शरीर में खून की आखिरी बूंद तक लोगों के लिए काम करता रहूंगा।

नवनीत राणा ने लिया हार का बदला

मुंबई. लोकसभा चुनावों में कमल खिला पाने से चूकीं नवनीत राणा ने अमरावती में कांग्रेस से हिसाब बराबर कर लिया है। कांग्रेस अमरावती जिले में एक भी सीट नहीं जीत पाई है। ऐसा तब हुआ है जब लोकसभा सीट पर कांग्रेस का कब्जा है। बीजेपी और महायुति के दूसरे सहयोगियों की जीत के बाद नवनीत राणा ने एक बार फिर तीर छोड़ा और पुष्पा स्टाइल में कांग्रेस पर निशाना साधा। अमरावती में विधानसभा की कुल आठ सीट हैं। इसमें सात सीटों पर महायुति ने कब्जा जमाया है। सिर्फ एक सीट एमवीए को मिली है। वह उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी के खाते में आई है।

महाराष्ट्र राज्य के गठन के बाद पहली बार ऐसा हुआ है जब अमरावती में कांग्रेस का कोई विधायक नहीं है। 1985 के विधानसभा चुनाव में जिले से कांग्रेस के सात विधायक चुने गये थे। 1990 के चुनाव में यह संख्या दो हो गई थी। इसके बाद जिले में बीजेपी और शिवसेना ने वर्चस्व हुआ था लेकिन कांग्रेस वजूद बनाए रखने में सफल रही थी। 2004 तक कांग्रेस के दो-तीन विधायकों ने किसी तरह पार्टी संगठन को जिंदा रखा था। 2009 के चुनाव में कांग्रेस ने वापसी की और पार्टी के चार विधायक चुने गए थे। कांग्रेस को धामनगांव रेलवे, तिवसा, मेलघाट और अमरावती में सफलता मिली थी। यशोमति ठाकुर कांग्रेस की बड़ी नेता बनकर उभरी थीं। इस बार वह भी हार गई हैं।

75 साल के बुजुर्ग से 11 करोड़ की साइबर ठगी

मुंबई. कोलाबा इलाके में शेयर बाजार में निवेश पर अच्छा रिटर्न दिलाने का झांसा देकर 75 वर्षीय एक सेवानिवृत्त व्यक्ति से 11 करोड़ रुपये की साइबर धोखाधड़ी की गई। आरोपियों ने देश की एक बड़ी ब्रोकिंग कंपनी के नाम पर फर्जी मोबाइल एप्लिकेशन बनाकर शिकायतकर्ता को धोखा दिया है और दक्षिण क्षेत्रीय साइबर पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज किया है।

75 वर्षीय शिकायतकर्ता कोलाबा का निवासी है और 1985 में जहाज कप्तान के रूप में सेवानिवृत्त हुआ था। इसके बाद उन्होंने एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी की. वहां से वह ऑपरेशन मैनेजर के पद से सेवानिवृत्त हुए। इसी साल अगस्त महीने में उन्हें अनाया स्मिथ नाम की महिला ने एक वॉट्सऐप ग्रुप में शामिल किया था. उन्होंने देश की एक बड़ी ब्रोकिंग कंपनी के नाम से यह ग्रुप बनाया था। शिकायतकर्ता को प्रलोभन दिया गया कि यदि आप इस कंपनी के माध्यम से निवेश करेंगे तो आपको भारी लाभ मिलेगा। इस पर विश्वास करते हुए उन्होंने निवेश करने का फैसला किया.

बैलेट पेपर को लेकर कांग्रेस करेगी आंदोलन

> नाना पटोले बोले- 'जनता की भी यही भावना है'

मुंबई.

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बीजेपी के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन को प्रचंड बहुमत मिला है. सत्तारूढ़ गठबंधन ने राज्य की 288 सीटों में से 230 सीटें जीतकर रिकॉर्ड बहुमत हासिल किया है. वहीं, सीएम चेहरे को लेकर गठबंधन में खींचतान जारी है. इसे लेकर बीजेपी, शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित) के बीच बैठकों का दौर शुरू है. इस बीच बुधवार को महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने मुख्यमंत्री का चेहरा तय नहीं होने पर तंज कसा.

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने महायुति गठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि चुनाव नतीजे आने के 4 दिन बाद भी महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री का चेहरा तय नहीं हो पाया है. उन्होंने कहा कि बीजेपी ऐसा मुख्यमंत्री चाहती है जो आंख बंद करके फाइलों पर दस्तखत कर सके. कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने यह बात पार्टी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही. इसमें महाराष्ट्र कांग्रेस के तमाम वरिष्ठ नेता और नवनिर्वाचित विधायक भी मौजूद रहे. इस दौरान कांग्रेस नेता ने बैलेट पेपर पर चुनाव कराने पर जोर दिया है.

महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि राज्य की जनता नए सीएम के नाम का इंतजार कर रही है. लेकिन नतीजों के चार दिन बाद भी सीएम का चेहरा तय नहीं हो पाया है. उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि अभी तक उनके मित्र का आदेश नहीं आया है. जब तक मित्र का आदेश नहीं आता है, तब तक सीएम पर कोई फैसला नहीं होगा. उन्हें ऐसा सीएम चाहिए जो आंख बंद करके साइन करे. उन्होंने चुनाव नतीजों पर भी सवाल उठाए हैं.

राहुल गांधी करेंगे आंदोलन का नेतृत्व

महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि बैलेट पेपर को लेकर राज्य स्तर के साथ-साथ केंद्रीय स्तर पर भी अभियान चलाए जाएंगे. लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में केंद्रीय स्तर पर यह आंदोलन होगा. उन्होंने कहा कि ईवीएम हमारे लिए कोई मुद्दा नहीं है. लोकतंत्र में जनता बड़ी होती है. कांग्रेस लोकतंत्र को बचाने के लिए संघर्ष करेगी. उनका कहना है कि ईवीएम पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला राजनीतिक है.

आज का राशिफल

मेष - जातकों के लिए कल दिन इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा. आपको अपने घरेलू कामों पर पूरा ध्यान देना होगा.

वृषभ - जातको के लिए दिन आनंदमय रहने वाला है. आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी. आप अपने बेफिजूल के खर्चों को बढ़ा सकते हैं.

मिथुन- जातकों के लिए कल दिन सुख सुविधाओं को बढ़ाने वाला रहेगा. आपके घर किसी नये मेहमान का आगमन हो सकता है, जिससे माहौल खुशनुमा रहेगा.

कर्क -दिन व्यस्तता भरा रहने वाला है. आप अपनी जिम्मेदारियां को बखूबी निभाएंगे और किसी से यदि कोई कर्जा लिया था, तो उसे भी उतारने में सफल रहेंगे.

सिंह - शीघ्रता व भावुकता में कोई निर्णय लेने से बचना होगा. यदि किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिले, तो आप अवश्य करें.

कन्या - जातकों के लिए दिन रचनात्मक क्षमता को बढ़ाने वाला रहेगा. आपकी कला कौशल में सुधार आएगा. आपको अपने विरोधियों से सतर्क रहना होगा.

तुला -आज दिन सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा. आपकी कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी.

वृश्चिक - आज कल दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है. बच्चों के साथ आप समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे.

धनु -जातकों की नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी. आप अपने आवश्यक कामों को कल पर टालने की कोशिश ना करें. यदि आपने धन संचय करने का सोचा था

मकर -जातकों के लिए दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है. आपको पारिवारिक मुद्दों में ढील देने से बचना होगा.

कुंभ -आज दिन मिला-जुला रहने वाला है. आपको यदि कोई शारीरिक कष्ट लंबे समय से चल रहा था, तो उसमें भी काफी हद तक राहत मिलेगी.

मीन -आज दिन मेहनत से काम करने के लिए रहेगा. आपको अपने विरोधियों से सतर्क रहना होगा. साझेदारी में कोई काम करना आपके लिए अच्छा रहेगा.

पोलीस उपायुक्त कार्यालय
आर्थिक गुन्हे/सायबर, नागपूर शहर
पोलीस भवन, वेस्ट हायकोर्ट रोड सिव्हील लाईन, नागपूर शहर

E-Mail-dcpow.ngp@mahapolice.gov.in
दुरध्वनी क्रं. ०७१२-२८७१४१९
पोउपआ/आगुशा/पो. ठाणे सदर तपास-६६९/वाहन लिलाव २०२४-५२२५ दि. २७/११/२०२४

जाहीर वाहन लिलाव निविदा

मोटार अपघात दावा प्राधिकरण, नागपुर येथे कार्यरत लिपीक दिगाबर भोलानाथ ढेरे यांनी मोठ्या प्रमाणावर आर्थिक अपहार करून खाली नमूद वाहने खरेदी केल्याने त्याचेविरूध्द पो ठाणे सदर येथे गुन्हे दाखल झालेले आहेत. त्यापैकी अप क.६६९/२०२३ कलम ४०९, ४११, ४१३, ४१८, ४२०, ४६८, ४७१, ४७७(अ), ३८१, १२०(ब), २०१ भादंवि मध्ये नोव्हेंबर २०२३ मध्ये खालील नमूद वाहने जप्त करण्यात आले आहे, मा. जिल्हा व सत्र न्यायाधिश, न्यायालय क १०. नागपुर शहर यांचे आदेशान्वये आरोपीताकडून अपहारीत रक्कम वसूल करण्याकरीता जप्त वाहनाची लिलावाव्दारे विकी करण्यात येणार आहे. सदर वाहनाचा जाहिर लिलाव जसे आहेत, जेथे आहेत, त्या स्थितीत निविदा पध्दतीने करण्यात येणार आहे.

अ. क्र.	वाहन मालकाचे नाव	मॉडेल व खरेदी वर्ष	नोंदणी क्रमांक व विमा
1	Gopal Datta Jare	Ashok Layland Trick 3718 BSIV 19.11.2018	MH49-AT3084 Tata General Insurance 18.10.2023
2	Ganga Transport	Bharat Benz Truck 1415R 01.12.2020	MH49-AT6927 Tata AIG General Insu 12.11.2023
3	Gopal Datta Jare	Ashok Layland Truck 3718 BSIV 24.08.2018	MH38-X9190 Tata AIG General Insu 18.10.2023
4	Rajshree Dere	Bharat Benz Truck 3723R 28.11.2018	MH49-AT9190 Tata AIG General Insu 31.10.2023
5	Ganga Transport	Eicher Truck Eicher Pro 5025LHSD 11.03.2019	MH49-AT3847 ICICI Lombard 17.02.2023
6	Ganga Transport	Bharat Benz Truck 3723R 28.11.2018	MH49-AT3686 Tata AIG General Insu 18.01.2024
7	Ganga Transport Rajshree Dere	Mahindra & Mahindra Truck MTB Blazo25 17.12.2018	MH49-AT3276 Tata AIG General Insu 05.12.2023
8	Sachin Gandhare	Maruti XL-6 Car 10.08.2020	MH31-FR0681 Upto 2023
9	Gopal Datta Jare	Splendor+ 135 29.01.2021	MH49-BP7135 Upto Jan-2024
10	Gopal Datta Jare	Himalayan Royal Enfield 23.06.2022	MH49-BV3885 Upto June-2023
11	Rajshree Dere	Jawa 42 Bike 28.06.2021	MH49-BQ5751 Upto June-2022
12	Ganga Transport Rajshree Dere	Bharat Benz Truck 1415R 01.12.2020	MH49AT6928 Tata AIG General Insu 12.11.2022
13	Ganga Transport Rajshree Dere	Tata MotorsTata LPT 3518 17.03.2020	MH49AT6428 Tata AIG General Insu14.02.2021
14	Digamber B. Dere	Vespa VXL150 30.08.2018	MH49-BA 4348 Upto August-2022
	बाजारभाव मुल्य (एकत्रित)	रु.१,१४,६०,०००/- अक्षरी एक करोड चौदा लक्ष साठ हजार रू फक्त	

महत्वाच्या सुचना-

१) **निविदा पाठविण्याचे ठिकाणः** कार्यालय पोलीस उपायुक्त, आर्थिक गुन्हे शाखा, पोलीस भवन, पाचवा माळा, सिव्हील लाईन, नागपुर.

२) वाहन विकी निविदा फॉर्म, नियम व अटी, आर्थिक गुन्हे शाखा, पोलीस भवन, पाचवा माळा, सिव्हील लाईन, नागपुर येथे कार्यालयीन वेळेत मिळतील. तसेच सदर निविदा फॉर्म मा.पोलीस आयुक्त, नागपुर शहर यांचे अधिकृत वेबसाईट https://nagpurpolice.gov.in/ PressRelease.html या वर उपलब्ध आहे.

३) वाहन अनु कं. ०१ ते ०९ हे पोलीस मुख्यालय, नागपुर शहर व कं. १० ते १४ हे पोलीस ठाणे सदर येथे ठेवण्यात आले आहे, पोलीस निरीक्षक श्री गजानन तामटे, मोबाइल क. ९९२१४४७३२ अथवा पोलीस उप निरीक्षक श्री गणेश राऊत, मोबाईल कं. ९९२३१०८६८९ यांचेशी संपर्क साधुन दिनांक २८.११.२०२४ पासुन पहावयास मिळतील.

४) वाहन विकीमध्ये भाग घेणाऱ्या इच्छुक व्यक्तींनी बंद पाकिटामध्ये विहीत निविदा फॉर्म भरणे आवश्यक आहे, निविदा फॉर्म भरतांना प्रत्येक वाहनाकरीता ५०००/- रू. याप्रमाणे अमानत रक्कम भरणे आवश्यक आहे. सदर रक्कमेचा डिमांड डाफट व्दारे "पोलीस उपायुक्त, आर्थिक गुन्हे शाखा, नागपुर शहर" या नावाने निविदा फॉर्मसोबत दयावायाचा आहे. वाहनासंबंधी निविदा फॉर्म सादर करतांना पाकिटबंद लिफाफावर ठळकपणे वाहन लिलाव निविदा नमूद करावे. दिनांक ०७. १२.२०२४ चे दुपारी ०५.०० वाजेपर्यंत वाहन लिलाव निविदा सादर करावयाच्या आहेत.

५) निविदा फॉर्मसोबत घेणाऱ्याचा सध्याचा फोटोग्राफ, पॅनकार्ड, आधारकार्ड यासह केवायसी कागदपत्रे छायाकित प्रती सेल्फ अटेस्टेड/स्व साक्षांकित करून दयावयाचे आहेत.

६) जाहिर लिलावातील उपरोक्त नमूद वाहनांची एकत्रित बाजारमुल्य रक्कम रू. १,१४,६०,०००/- अक्षरी एक करोड चौदा लक्ष साठ हजार रूपये इतके आहे.

७) निविदा उघडण्याचा दिनांक १२.१२.२०२४ रोजी ११.३० वाजता अथवा इतर सोयीस्कर दिवशी कार्यालय पोलीस उपायुक्त, आर्थिक गुन्हे शाखा, पोलीस भवन, पाचवा माळा, सिव्हील लाईन, नागपुर येथे राहील.

८) सदर वाहनांवरील केसेसची, टॅक्स, विमा व इतर आवश्यक सर्व माहिती ही निविदादाराने स्वतः मिळवायची आहे.

९) जाहिर वाहन लिलाव निविदा ही नमूद सर्व वाहने एकत्रितरित्या विक्री करण्याकरीता ठेवण्यात आलेली आहे, नमूद वाहनांपैकी स्वतंत्र वाहने विक्री केले जाणार नाही, याची निविदाधारकांनी नोंद घ्यावी.

१०) निविदा मंजूर झाल्यावर संबंधितांना कळविले जाईल, तदनंतर मंजूर निविदा रक्कमेच्या २५ टक्के रक्कम ताबडतोब भरणा करावा लागेल व उर्वरीत रक्कम ५ दिवसाच्या आंत भरणे क्रमप्राप्त आहे. तसे न केल्यास भरलेली संपूर्ण रक्कम ही जप्त केली जाईल. निविदेप्रमाणे पुर्ण रक्कम भरणा केल्यानंतरच वाहनांचा ताबा देण्यात येईल. वाहनाचा ताबा घेतल्यानंतर वाहनाची सर्वस्वी जबाबदारी ही खरेदीदार यांचीच राहील. सदर वाहन खर्चासह हस्तांतरीत करून घेण्याची सर्वस्वी जबाबदारी खरेदीदार यांची राहील.

११) विहीत मुदतीत वाहनांच्या लिलाव निविदा संख्येने प्राप्त न झाल्यास फेरनिविदा मागविण्याची प्रक्रिया राबविण्यात येईल.

१२) कोणतेही कारण न देता जाहिर लिलाव तहकूब अगर रद्द करण्याचा अथवा इतर कोणताही सिर्णय घेण्याचा अधिकार वाहन लिलाव समिती कडे अबाधित राखून ठेवला आहे.

स्वा./-
(शशिकांत सातव)
पोलीस उपायुक्त
आर्थिक गुन्हे शाखा, नागपूर शहर

पोलीस उपायुक्त कार्यालय
आर्थिक गुन्हे/सायबर, नागपूर शहर
पोलीस भवन, वेस्ट हायकोर्ट रोड सिव्हील लाईन, नागपूर शहर

E-Mail-dcpow.ngp@mahapolice.gov.in
दुरध्वनी क्रं. ०७१२-२८७१४१९
पोउपआ/आगुशा/पो. ठाणे सदर/वाहन लिलाव २०२४ दि. /११/२०२४

जाहीर वाहन लिलाव मध्ये सहभागी होणाच्या साठी नोंदणी फॉर्म निविदा

Photo

नाव :- ____________________
पत्ता :- ____________________

मोबाईल क्रं. [ ][ ][ ][ ][ ][ ][ ][ ][ ][ ]
ई मेल आयडी-
पॅन कार्ड नं आधार कार्ड नं
मत्तदान कार्ड नं-
धनाकर्ष कं/डीमांड डाफट नं रक्कम दिनांक-
बँकेने नांव व शाखा -

नियम व अर्टी

१) लिलावामध्ये सहभागी होण्यासाठी नोंदणी फॉर्म पुर्णपणे भरून स्वाक्षरी करावी
२) पत्ता व ओळखीचे वरील नमूद पुराने कामावित प्रती जोडाव्यात
३) पॅन कार्ड सायांकित प्रती जोडावे
४) अनामत रक्कमेचा रु ७०,०००/- या धनाकर्ष/ डी. डी. यासोबत जोडावा (प्रत्येक वाहनाकरीता ५०००/- याप्रमाणे)
५) फर्म/कंपनी असल्यास नीदणी प्रमाणपत्र व कपनीकडून सहभागी होण्यासाठी नियुक्तीचे पत्र मला जातिर लिलावाच्या सर्व अटी मान्य आहेत, करीता मला जाहिर जिल्लामा सहभागी करून घ्यावे, ही विनंती.

अर्जदाराची स्वाक्षरी

क्र. संमावज/नाग/ 543 /2024

सुविचार

संघर्षों का सम्मान करना सीखें, क्योंकि इसी में आपकी सफलता का रहस्य छिपा रहता है।

संपादकीय

सेकुलर बने रहेंगे...

> सुप्रीम कोर्ट ने पुरानी बहस को दिया विराम

संविधान की प्रस्तावना के दो शब्दों- धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी- को लेकर करीब आधी सदी से जारी बहस पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक तरह से पूर्णविराम लगा दिया। सर्वोच्च अदालत ने इससे जुड़ी याचिका को खारिज करते हुए दो बातें बिल्कुल साफ कर दीं। एक तो यह कि संविधान की प्रस्तावना में इन दो शब्दों को जोड़ना गलत नहीं था और दूसरी यह कि एक और संविधान संशोधन के जरिए इन शब्दों को प्रस्तावना से हटाने की कोई गुंजाइश नहीं रह गई है। इस क्रम में अदालत ने बहस के कई अहम पहलुओं पर रोशनी डाली, जिससे फैसले की सार्थकता और बहस की निरर्थकता दोनों स्पष्ट होती है।

जैसा कि इस मामले में अदालत में दायर याचिका से भी स्पष्ट है, संविधान की प्रस्तावना में इन दो शब्दों को जोड़े जाने के लिए किए गए संशोधन को दो मुख्य आधारों पर गलत बताने की कोशिश की जाती रही थी। एक तो यह कि 1976 में यह संशोधन तब किया गया, जब लोकसभा का नियमित कार्यकाल समाप्त हो चुका था। दूसरा बात यह कि संविधान निर्माता इन दो शब्दों को जोड़े जाने के प्रस्ताव पर विचार करने के बाद उसे नामंजूर कर चुके थे। सुप्रीम कोर्ट ने इन दोनों आधारों को खारिज कर दिया।

फैसले ने इस तथ्य की ओर फिर से ध्यान खींचा कि प्रस्तावना में सेकुलर शब्द जोड़े जाने से पहले भी संविधान का ढांचा सेकुलर ही था। समय-समय पर अलग-अलग मामलों में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसलों से भी इस बात की तस्दीक होती रही है। जहां तक ये दो शब्द जोड़े जाने का सवाल है तो सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक देश की संसद को इस तरह के संशोधन करने का पूरा अधिकार है। लेकिन चूंकि ये शब्द संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा हैं, इसलिए इन्हें प्रस्तावना से हटाने की कोई भी कोशिश असंवैधानिक मानी जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने रेखांकित किया है कि चाहे धर्मनिरपेक्ष हो या समाजवादी, ये शब्द हमारे संविधान की प्रगतिशीलता को बनाए रखने में सहायक हैं। जहां धर्मनिरपेक्षता नागरिकों की समानता और धार्मिक स्वतंत्रता जैसे मूल अधिकारों को सुनिश्चित करती है, वहीं समाजवाद के प्रति निष्ठा राज्य के कल्याणकारी स्वरूप को बनाए रखने में मदद करती है। ये शब्द नीति निर्देशक तत्वों में दिए गए समान आचार संहिता जैसे लक्ष्यों की ओर बढ़ने में भी किसी तरह की बाधा खड़ी नहीं करते।

कुल मिलाकर, सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने स्पष्ट कर दिया है कि धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद जैसे शब्दों और मूल्यों से पीछा छुड़ाने की हाल के वर्षों में तेज हुई प्रवृत्ति को स्वस्थ और प्रगतिशील नहीं माना जा सकता। बेहतर होगा, ऐसी प्रवृत्तियों को बढ़ावा न दिया जाए।

नेता स्वयं पर संदेह करें, ईवीएम सबके लिए समान

हेमंत पांडे

आजकल राजनीति में दोषारोपण नीति खूब फल-फूल रही है। विभिन्न दलों के नेता खुलेआम एक-दूसरे पर दोषारोपण करते रहते हैं। ईवीएम तो एक इलेक्ट्रॉनिक मशीन है, जो सभी दलों के नेताओं के साथ समान व्यवहार करती है, किन्तु हारे हुए उम्मीदवारों की ओर से इसे बदनाम किया जाता है। ईवीएम मशीन पर संदेह करने के बजाय हारे हुए प्रत्याशियों को स्वयं पर संदेह करना चाहिए और बेहतर विचारधारा व जनसेवा की ओर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। कुछ राजनीतिक दलों, नेताओं और कथित लोकतंत्र हितैषियों की ओर से अपनी हार का ठीकरा फोड़ने का सिलसिला ईवीएम पर जारी है। ये सभी मशीनों की विश्वसनीयता जीत के समय सही मानते हैं, लेकिन हारने पर उस पर सवाल उठाने लगते हैं। राजनीति में यह दोहरे चरित्र की वजह से बार-बार ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए जाते हैं।

चुनाव चाहे किसी भी प्रकार का हो, उसे सदैव कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में करवाया जाना चाहिए, ताकि किसी को आरोप-प्रत्यारोप और आपत्ति लगाने का मौका ही न मिले। यदि चुनाव के दौरान कोई आपत्ति उठाई जाती है, तो उसका निराकरण शीघ्रता से किया जाना चाहिए। अक्सर देखा जाता है कि चुनाव के नतीजे आने पर हारने वाली पार्टी ईवीएम पर सवाल खड़े करती है, ताकि वे जनता का ध्यान अपनी हार से हटा सकें। कई देशों में अभी भी बैलेट पेपर से चुनाव होते हैं, जिससे पार्टियां इसे एक विकल्प के रूप में पेश करती रहती हैं और ईवीएम पर सवाल उठाती हैं। हारी हुई पार्टियां दावा करती हैं कि सत्ता पार्टी ईवीएम को हैक करके परिणाम अपने पक्ष में लाती है, जिससे ईवीएम की विश्वसनीयता को मुद्दा बनाया जाता है। ईवीएम पर बार-बार प्रश्न उठाना लोकतंत्र के हित में नहीं है। इससे मतदाता के दिमाग में भी सवाल उठते हैं। ईवीएम को लेकर इस तरह की बातें नहीं होनी चाहिए।

कई विशेषज्ञ कह चुके हैं कि ईवीएम से कोई छेड़छाड़ नहीं की जा सकती है, लेकिन चुनाव हारने वाली विपक्षी पार्टियां जब मीडिया के सवालों का सामना करती हैं, तो सारा दोष ईवीएम पर डाल देती हैं। अगर चुनाव जीत जाती हैं, तो ईवीएम पर कोई सवाल नहीं उठता है। यह हार का ठीकरा फोड़ने का एक बहाना बन चुका है। शासकीय मुलाजिम होने के नाते मुझे निर्वाचन की जिम्मेदारी निभाने का सौभाग्य कई बार प्राप्त हुआ है। लेकिन कभी भी ईवीएम की कार्यप्रणाली में कुछ भी संदेहजनक प्रतीत नहीं हुआ। अब तो वीवीपेट का उपयोग प्रारंभ हो चुका है, जिसमें वोट दिए गए प्रत्याशी के नाम की पर्ची स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। निर्वाचन कार्य के अनुभव के आधार पर कहा जा सकता है कि ईवीएम को हैक किया जाना असंभव है। इसकी विश्वसनीयता पर सवाल केवल पराजित पार्टियां राजनीतिक द्वेष के कारण उठाती हैं। ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल मुख्यतः पारदर्शिता की मांग और तकनीकी चिंताओं के कारण उठते हैं। कई राजनीतिक दल इसे अपनी हार का कारण बताकर जनता में भ्रम फैलाते हैं। हालांकि, चुनाव आयोग ने बार-बार ईवीएम की सुरक्षा, सटीकता और निष्पक्षता को साबित किया है। ईवीएम में गड़बड़ी की आशंकाएं तब बढ़ती हैं जब प्रक्रिया की पूरी जानकारी लोगों तक नहीं पहुंचती। समाधान के लिए तकनीकी उन्नयन, वीवीपेट का उपयोग और मतदाता शिक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए।

आलेख

शम्भूनाथ नाथ

जात-जात की बात

बात उन दिनों की है जब न तो सोशल मीडिया था न मैं दिल्ली आया था और न ही अपने गांव और अपने शहर के अपने मोहल्ले से आगे बढ़ा था। तब अपनी जाति को लेकर इतना ही मैं जानता था कि हम लोग शुक्ला हैं पर शुक्ला भारत की 36 बिरादरियों में किस स्थान पर आते हैं यह नहीं पता था। कानपुर शहर में हम गोविंद नगर के छह ब्लाक में रहते थे और वहां पर रिफ्यूजी पंजाबी परिवार ज्यादा थे और उनमें से कुछ सिख थे और कुछ मोना। सब अपने नाम के आगे ग्रोवर, अरोड़ा, बेदी, छिब्बर, नाथ, मोहन, मेहता, खन्ना, कपूर, चोपड़ा और शर्मा या गोस्वामी लगाया करते थे। इनमें से ज्यादातर सनातन धर्म को मानते थे पर जो मुखर थे वे आर्य समाजी थे। मगर उनकी जाति को लेकर हम कुछ नहीं जानते थे।

इसी तरह गांव में जो परिवार पूरे गांव पर राज करता था वह अपने नाम के आगे सचान लगाता था। उनका नाम था लाला शिवनारायण सिंह सचान। पूरे गांव में ककई ईंट से बना उनका दोमंजिला मकान था और बाहर टीन का छप्पर जो तब संपन्न लोगों की निशानी समझा जाता था। उनके घर पर तब भी ट्रैक्टर था पर बाहर नादी पर दो बैल बंधे रहते थे एकदम हीरा-मोती की तरह। वे गर्व से बताया करते थे कि यह जोड़ी पूरे ग्यारह सौ की है और वे इसे इटावा जिला स्थित बिजौली के मेले से लाए थे। सब को पता था कि लाला की गोईं हरयाणवी नस्ल की है। लाला के घर पर एक गाय थी जो उनकी मां को इतना प्यारी थी कि जब वह मरी तो लाला की अम्मां पछाड़ें खाकर गिर रही थीं। पर लाला ओबीसी बिरादरी के हैं या कोई अन्य हमें नहीं पता था बस इतना ही पता था कि लाला गांव के माई-बाप हैं। पर उन लाला की बहनों की शादी

पास के गरीब परिवारों में हुई थी और यह बात समझ से परे थी। तब पता चला कि लाला झबैया कुर्मी हैं और सचान बिरादरी झबैया कुर्मियों के यहां शादी-विवाह नहीं करती है। जो गरीब किसान हैं वे दहेज के लालच में इनके यहां से लड़कियां ले आते हैं। गांव में सचान थोड़े ही थे और जो थे वे सब खाते-पीते महतो थे।

एक घर अहीर का था जिसके पास 45 बीघा पक्की खेती थी और उस अहीर परिवार का मुखिया जब किसी के यहां शादी में अपनी घोड़ी पर सवार होकर आता तो उसका रौब पड़ जाता। एक धोबी परिवार था जिसके 11 लड़के थे जिनमें से एक फौज में था और इसीलिए उस परिवार का रौब था। बाकी के कोरी (हिंदू जुलाहा) और काछी थे। पर सर्वाधिक आबादी ब्राह्मणों की थी और वे गरीब भी थे इतने अधिक कि बहुत से लोग खेतिहर मजदूरी करते थे। इनमें से एक परिवार मैकू सुकुल का था। अलबत्ता कुछ ब्राह्मण परिवार बहुत अमीर थे और वे अमीर परिवार गरीब बाहमण परिवारों को अपने यहां किसी काम काज में नहीं बुलाया करते थे। बाकी के परिवार कुरील, संखवार आदि थे। वे खेतीवाले भी थे पर ज्यादातर भूमिहीन मजदूर। उनके साथ झबैया कुर्मी सख्ती से पेश आया करते थे और उनके सामने पड़ते ही वे पालागन करते थे।

रूपकुंड (कंकाल झील) भारत उत्तराखंड राज्य के चमोली जिले में स्थित एक हिम झील है जो अपने किनारे पर पाए गये पांच सौ से अधिक मानव कंकालों के कारण प्रसिद्ध है। यह स्थान निर्जन है और हिमालय पर लगभग 5029 मीटर (16499 फीट) की ऊंचाई पर स्थित है। इन कंकालों को 1942 में नंदा देवी शिकार आरक्षण रेंजर एच. के. माधवल, ने पुनः खोज निकाला, यद्यपि इन हड्डियों के बारे में आख्या के अनुसार वे 19वीं सदी के उतरार्ध के हैं। इससे पहले विशेषज्ञों द्वारा यह माना जाता था कि उन लोगों की मौत महामारी भूस्खलन या बर्फानी तूफान से हुई थी। 1960 के दशक में एकत्र नमूनों से लिए गये कार्बन डेटिंग ने अस्पष्ट रूप से यह संकेत दिया कि वे लोग 12वीं सदी से 15वीं सदी तक के बीच के थे। 2004 में, भारतीय और यूरोपीय वैज्ञानिकों के एक दल ने उस स्थान का दौरा किया ताकि उन कंकालों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त की जा सके। उस टीम ने अहम सुराग ढूंढ़ निकाले जिनमें गहने, खोपड़ी, हड्डियां और शरीर के संरक्षित ऊतक शामिल थे। लाशों के डीएनए परीक्षण से यह पता चला कि वहां लोगों के कई समूह थे जिनमें शामिल था छोटे कद के लोगों का एक समूह (सम्भवतः स्थानीय कुलियों) और लंबे लोगों का एक समूह जो महाराष्ट्र में कोकणस्थ ब्रामिंस के डीएनए उत्परिवर्तन विशेषता से निकट संबंधित थे। हालांकि संख्या सुनिश्चित नहीं की गयी, 500 से अधिक लोगों से संबंधित अवशेष पाए गए हैं और यह भी माना जाता है कि छह सौ से अधिक लोग मारे गए थे। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय रेडियोकार्बन प्रवर्धक यूनिट में हड्डियों की रेडियोकार्बन डेटिंग के अनुसार इनकी अवधि 850 ई. में निर्धारित की गयी है जिसमें 30 वर्षों तक की गलती संभव है। खोपड़ियों के फ्रैक्चर के अध्ययन के बाद, हैदराबाद, पुणे और लंदन में वैज्ञानिकों ने यह निर्धारित किया कि लोग बीमारी से नहीं बल्कि अचानक से आये ओला आंधी से मरे थे। ये ओले, क्रिकेट के गेंदों जितने बड़े थे और खुले हिमालय में कोई आश्रय न मिलने के कारण सभी मर गये। इसके अलावा, कम घनत्व वाली हवा और बर्फीले वातावरण के कारण, कई लाशें भली भाँति संरक्षित थी। उस क्षेत्र में भूस्खलन के साथ, कुछ लाशें बह कर झील में चली गयी। जो बात निर्धारित नहीं हो सकी वह है कि, यह समूह आखिर जा कहाँ रहा था। इस क्षेत्र में तिब्बत के लिए व्यापार मार्ग होने का कोई ऐतिहासिक सबूत नहीं है लेकिन रूपकुंड, नंदा देवी पंथ की महत्वपूर्ण तीर्थ यात्रा के मार्ग पर स्थित है जहां नंदा देवी राजजातउत्सव लगभग प्रति 12 वर्षों में एक बार मनाया जाता था।

संस्मरण

डॉ. सुरेश कुमार

जीवन जीने का नाम है

पिछले तीन महीने से मेरा फोन मेरे लिए फोन कम अटम बम ज्यादा बन गया था। मन में यही डर घर कर गया था कि कब बुरा समाचार सुनने को मिल जाए। फोन की हर घंटी पिताजी के दुखद समाचार की आवाज सी लगती थी। जब से उनका ऑपरेशन हुआ चारपाई उनकी जीवनसंगिनी बन गयी थी। कभी उठने का नाम न लेते थे। दर्द के मारे निकलने वाली सिसकियों ने माँ, मुझे और मेरे भांजे (रिश्ते में तो भांजा लगता है लेकिन है मेरा सगा भाई) को भीतर से हिला कर रख दिया था। वे अक्सर कहा करते थे कि हम उनकी परछाई हैं, वे हमारी सांसों में समाए हैं, हमारे बिना न उनका कल था न आज है और न कल रहेगा। जीवन खुशी-खुशी जीने का नाम है न कि झेलने का।

जब जीवन बोझ लगे तो उसे अलविदा कहने में भलाई है। पिताजी हमसे बहुत प्रेम करते थे। काम से लौटते समय वे हरदिन हमारे लिए तरह-तरह की खाने, खेलने और जरूरतों की चीज़ें लाया करते थे। हम भी अपने उनसे बहुत लगाव रखते थे। दुख इसी बात का था कि उन्होंने हमारे लिए आर्थिक रूप से कुछ छोड़ा नहीं। अपने अंधेपन में जो कुछ था सब अपने भाइयों और उनके बच्चों में लुटा दिया। दूसरे शब्दों में कहें तो मेरे चाचा और भाइयों ने हड़प लिया। जब भी इसके बारे में घर में बहस हुआ करती तो वे कहते जो तुम्हारे भाग्य में नहीं उसके लिए पछताने से क्या फायदा। खुद मेहनत करो और अपना भाग्य बनाओ। चारपाई पर लेटे-लेटे हर साँस को अंतिम क्षण की तरह जी रहे थे। अचानक एक दिन पिताजी की तबियत ज्यादा बिगड़ गयी। अंतिम क्षणों में हमारे हाथों छांछ, पानी और गंगा जल पीकर जीवन को अलविदा कह दिया। पिताजी के भोगे दर्द भरे पल अक्सर कह रहे थे कि मौत को तो यूँ ही बदनाम करते हैं लोग, तकलीफ तो साली ज़िन्दगी देती है! परिवार पर तो मानो पहाड़ ही टूट पड़ा और हमारी हालत तो मृत पर्याय बन गयी। पिताजी के जाने के बाद हम बोलते कम रोते ज्यादा थे।

माँ का तो हाल और बुरा था। उन्होंने सारा जीवन पिताजी की सेवा में लगा दी। अपनी परवाह कभी नहीं करती थी। दो बदन एक जान की तरह जीने की कला कोई उनसे ही सीखे। लेकिन यूँ तो दुनिया के सारे दुख सहने की क्षमता हममें थी, पर उनके जाने का दुख हमारी आँसुओं का सैलाब बन चुका था। मुझे खुशी उनके कंधे पर चढ़ने की थी। समय के दुर्भाग्य ने पिता को मेरे कंधे पर चढ़ाकर मुझे जीते जी मार दिया। कभी उनकी डाँट से मुझे डर लगता था। आज उनका सन्नाटा मुझे काट खाने के लिए दौड़ता है। हर बात में पिताजी यादें बरबस दखल करती थीं। आस-पड़ोस के लोगों और नाते-रिश्तेदारों ने हमें समझाने की बहुत कोशिश की पर हम पर किसी का असर नहीं पड़ा। हमेशा हमारे मुँह से पापा...पापा... पापा...कहकर निकलता।

लघुकथा

सुशील शर्मा

एबॉर्शन

रात के 11 बजे थे दरवाजे पर खटखटाहट हुई शुभा ने दरवाजा खोला आनंद खड़ा था। शुभा को लगभग धकेलता हुआ अंदर आया। दोनों बेटियां सो रही थी।"डॉ से मेरी बात हुई है कल जांच के लिए चलना है,अगर लड़की हुई तो एबॉर्शन की डेट ले लेंगे "आनंद ने लगभग निर्णय सुनाते हुए कहा।आनंद और शुभा के दो बेटियां थी। जब तीसरी बार शुभा गर्भवती हुई तो शुभा की सास ने स्पष्ट कह दिया था"देख बेटा आनंद मुझे इस बार पोता ही चाहिए वरना मुझ से बुरा कोई नहीं होगा।"शुभा तीसरी बार बच्चा नहीं चाहती थी किन्तु आनंद और परिवार की जिद के कारण उसे मानना पड़ा। किन्तु वह एबॉर्शन किसी भी हालत में नहीं चाहती थी अतः उसने आनंद का प्रतिवाद किया।"चाहे लड़का हो या लड़की मैं एबॉर्शन नहीं कराउंगी।"

पागल हो तीन तीन लड़कियों की पढ़ाई और शादी का खर्च कैसे पूरा होगा।"आनंद ने गुस्से में कहा। क्यों लड़का होने पर क्या खर्च कम हो जाएगा क्या? शुभा ने व्यंग करते हुए कहा। "लड़के से हमारा वंश चलेगा"आनंद ने प्रतिवाद किया लड़कियों का क्या हैं दूसरे का वंश चलाएंगी। साथ में दहेज और देना पड़ेगा।अच्छा जब सुरभि दीदी को राष्ट्रपति पुरुष्कार मिला था तो किसका नाम हुआ था। मंच से किसका नाम पुकारा गया था पिताजी का न कि उनके ससुराल वालों का। पेपर में सुरिभ दीदी के साथ पिताजी की फ़ोटो देख कर आप कितने खुश थे। आपने ही कहा था देखो मेरी बहिन ने मेरे परिवार मेरे पिता का नाम रोशन कर दिया"शुभा ने आनंद को पुरानी बात याद दिलाई।आनंद मैं तो अपनी दोनों बेटियों से ही खुश थी किन्तु आपकी जिद के कारण ये बच्चा आया है। अब ये लड़का हो या लड़की उसे अच्छे मन से स्वीकार करो।शुभा ने आनंद को प्यार से समझाते हुए कहा।"लेकिन मम्मी--मम्मी कैसे मानेगीं"मम्मी का भय आनंद के चेहरे से स्पष्ट झलक रहा था।शुभा ने कहा तुम उसकी चिंता मत करो मैं उनसे बात करूंगी।रात को शुभा ने अपनी सास से कहा "मम्मी पंडित जी का फोन आया था कह रहे थे कि अगर एबॉर्शन करवाया तो आनंद की जान को खतरा है। राहु मंगल के साथ मारकेश बना है।"

इतना सुनते ही शुभा की सास सकते में आ गई।नहीं बेटी हम एबॉर्शन नहीं कराएंगे चाहे बेटा हो या बेटी पंडित जी से कहना वो कोई पूजा बगैरा कर दें ताकि मेरे बेटे के ऊपर से ये अलह टल जाए।लगभग कांपते हुए शुभा की सास ने शुभा से कहा। जी मम्मी जी मैं पंडित जी से कह दूंगी" शुभा मन ही मन मुस्करा रही थी। कल ये डॉ के पास जाने की कह रहे थे।"शुभा ने डरते हुए पूछा। नहीं कोई जरूरत नहीं है डॉ के पास जाने की। लड़का हो या लड़की हमें दोनों मंजूर हैं। सास ने अपना निर्णय सुना दिया।शुभा सोच रही थी कि हर माँ को उसकी संतान कितनी प्रिय होती है ये उसकी सास ने साबित कर दिया।

व्यंग्य

पतरस बुख़ारी

मैं एक पति हूं

मैं एक पति हूँ। दब्बू व आज्ञाकारी। अपनी पत्नी रौशन आरा को अपनी ज़िन्दगी की हर एक बात से आगाह रखना जीवन का मूल सिद्धांत समझता हूँ और हमेशा से इसका पालन करता रहा हूँ। ऐ ख़ुदा मेरा अंत भला हो।अतः मेरी पत्नी मेरे दोस्तों की सारी आदतों व अवगुणों से आगाह है, जिसका नतीजा यह है कि मेरे दोस्त जितने मुझको प्यारे हैं उतने ही रौशन आरा को बुरे लगते हैं। मेरे मित्रों की जिन अदाओं ने मुझ पर जादू कर रखा है, उन्हें मेरी पत्नी एक सज्जन पुरुष के लिए शर्मिंदगी का कारण समझती है। आप कहीं यह न समझ लें कि ख़ुदा-न ख़्वास्ता वे कोई ऐसे आदमी हैं जिनका ज़िक्र किसी सभ्य समूह में न किया जा सके। कुछ अपने हुनर के कारण और कुछ इस नाचीज़ की सोहबत की बदौलत सबके सब ही सफ़ेदपोश हैं। लेकिन इस बात को क्या करूँ कि उनकी दोस्ती मेरे घर की शांति व सुकून को ऐसा भंग करती है कि कुछ कह नहीं सकता। मसलन मिर्ज़ा साहब ही को लीजिए। अच्छे ख़ासे और भले आदमी हैं। हालाँकि वन-विभाग में एक उचित पद पर आसीन हैं लेकिन शक्ल व सूरत ऐसी पवित्र पाई है कि मस्जिद के इमाम मालूम होते हैं। जुआ वे नहीं खेलते, गिल्ली-डंडे का उनको शौक़ नहीं, जेब कतरते हुए कभी वे नहीं पकड़े गए। अलबत्ता कबूतर पाल रखे हैं। उन्हीं से जी बहलाते हैं। हमारी पत्नी की यह मनोदशा है कि मुहल्ले का कोई बदमाश जुए में क़ैद हो जाए तो उसकी माँ के पास मातमपुर्सी तक को चली जाती हैं। गिल्ली-डंडे में किसी की आँख फूट जाए तो मरहम पट्टी करती रहती हैं। कोई जेबकतरा पकड़ा जाए तो घंटों आँसू बहाती रहती हैं। लेकिन वे सज्जन जिनको दुनिया भर की ज़बान "मिर्ज़ा साहब", "मिर्ज़ा साहब" कहते थकती नहीं, हमारे घर में "मुए कबूतर-बाज़" के नाम से याद किए जाते हैं। कभी भूले से भी मैं आसमान की तरफ़ नज़र उठाकर किसी चील, कव्वे, गिद्ध, शिकरे को देखने लग जाऊँ तो रौशन आरा को तुरंत आशंका हो जाती है कि बस अब यह भी कबूतरबाज़ बनने लगा। इसके बाद मिर्ज़ा साहब की शान में एक क़सीदा (प्रशस्ति) शुरू हो जाता है। बीच में मेरी ओर विषयांतर। कभी लंबी बहर (छंद) में कभी छोटी बहर में।एक दिन जब यह घटना घटित हुई तो मैंने पक्का इरादा कर लिया कि इस मिर्ज़ा कम्बख़्त को कभी पास न फटकने दूँगा। आख़िर घर का हक़ सबसे पहले है।

बाल कहानी

उपासना बेहार

मुर्गे का सुरीला गाना

राधेश्याम किसान गावं से दूर अपने खेत में घर बना कर रहते थे, उनके पास एक मुर्गा था, कई साल पहले जब मुर्गा छोटा चूजा था तब राधेश्याम बाबा उसे बाजार से खरीद कर लाये थे, तब से ही वह उनके साथ रहता आ रहा था. राधेश्याम मुर्गे को अपने बच्चे जैसा प्यार करते थे और हमेशा उसकी रखवाली करते थे. पास में ही जंगल होने के कारण मुर्गे की सुरक्षा के लिए घर के चारों ओर कटीले तार से घेरा बना दिया था ताकि कोई भी जानवर अंदर आ दज उसे खा न सके. उस जंगल में एक लोमड़ी रहता था. एक दिन उसने इस मोटे मुर्गे को देख लिया. उसका जी मुर्गे को खाने को ललचाने लगा लेकिन कटीले तारों की वजह से वो मुर्गे के पास पहुँच नहीं सकता था. उसने एक प्लान बनाया, दूसरे दिन सुबह सुबह जब मुर्गा बांग देने लगा और जोर जोर से "कुकड़ू कु" की आवाज निकालने लगा तभी लोमड़ी वहाँ पहुँचा. उसे देख कर मुर्गा डर गया, लोमड़ी ने मीठी आवाज में कहा "दोस्त डरो मत. मैं तुम्हें नहीं खाऊंगा, तुम्हारी आवाज कितनी सुरीली है, मैंने आजतक इतनी मीठी आवाज नहीं सुनी." यह कह कर लोमड़ी चला गया. रात भर मुर्गा सोचता रहा 'क्या मेरी आवाज वाकई में सुरीली है?'.

अब लोमड़ी रोज मुर्गे के बांग देने के समय आता और उसके आवाज की बहुत तारीफ करता. धीरे धीरे मुर्गे को भी लगने लगा कि उसकी आवाज सुरीली है और वो बहुत अच्छा गाता है. जब लोमड़ी ने देखा कि मुर्गा उसके झासें में आ गया है तब एक दिन उसने कहा "दोस्त मुर्गे क्या तुम पूरी जिन्दगी इसी जगह गुजर दोगे, अपनी मधुर आवाज को दुनिया के सामने नहीं लाओगे. यहाँ तुम्हारी कद्र करने वाला कोई नहीं है, मेरे साथ चलो मैं तुम्हें बड़ा गायक बना दूंगा, खूब पैसे मिलेगें और तुम मालामाल हो जाओगे." मुर्गे ने कहा "मैं तुम्हारे साथ नहीं जा सकता. राधेश्याम बाबा ने बताया है कि लोमड़ी हमारे दुश्मन होते हैं. तुम मुझे मार कर खा जाओगे". लोमड़ी को लगा शिकार हाथ से निकल जायेगा, उसने मुर्गे से प्यार से कहा " दोस्त मैं चाहता तो तुम्हें कब का खा गया होता लेकिन मैं चाहता हूँ कि जैसे तुमने मुझे अपनी आवाज का दीवाना बना दिया है वैसे ही पूरी दुनिया को बना दो". मुर्गा घमंड से चूर हो गया, उसने कहा "कल सुबह राधेश्याम बाबा शहर जाने वाले हैं, उनके जाने के बाद हम चलेगें." लोमड़ी खुश हो गया. उसे रात भर नींद नहीं आई, इतना मोटा मुर्गा कल उसे खाने को मिलेगा,ये सोच के ही उसके मुहं में पानी आने लगा. उधर मुर्गे को भी नींद नहीं आ रही थी, वो सोच रहा था कि कल वो दुनिया को अपना गाना सुनाएगा और सब उसके दीवाने हो जायेगें.

सुबह राधेश्याम बाबा शहर के लिए निकल गए, थोड़ी देर में लोमड़ी मुर्गे को लेने आ गया.

बाल कहानी

राजकुमार जैन

आलस्य का परिणाम

बिजली चमक रही थी. बादल गरज रहे थे और वर्षा जोरों से हो रही थी. लगातार बारिश की वजह से जंगल में पानी भर गया था. सभी जानवर अपने बच्चों के साथ अपनी-अपनी जगह छोड़ कर सुरक्षित स्थानों पर जा चुके थे.हवेली के बगीचे में एक तालाब था. तालाब के उस पार एक पहाड़ी थी, जिस पर बहुत सी झाड़ियां और जंगली फूलों के पेड़ लगे हुए थे. बगीचे में आम के पेड़ों का एक बहुत बड़ा झुण्ड भी था.उस झुण्ड के बीचों-बीच चीकू और मीकू नाम के दो खरगोश रहते थे. चीकू बड़ा था और मीकू छोटा.जब तालाब का पानी उमड़-उमड़ कर सारे बगीचे में फैल गया तो मीकू ने घबराकर अपने भाई चीकू से कहा- 'भैया, चलो, अब हम भी सामने वाली पहाड़ी पर जाकर छिप जाएं.'वह क्यों?' चीकू ने सवाल किया.पानी तेजी से बढ़ रहा है, कुछ ही देर में हमारे बिलों में पानी भर जाएगा. हम जब पानी में डूब जाएंगे तब हमें कोई भी जानवर आराम से अपना भोजन बना सकता है.' मीकू बोला.ऊं... हूं... मैं नहीं जाता. इतनी ऊंची पहाड़ी पर कौन चढ़े? मैं तो थक जाऊंगा.'और अगर खतरा सामने आ गया तो?' मीकू ने पूछा.'तो क्या हुआ? मैं सामने वाले पेड़ की खोह में नहीं छिप सकता क्या?'उस खोह में कोई भी जानवर आसानी से तुम्हें अपनी चपेट में ले सकता है. पर उधर कांटेदार झाड़ी में घुस जाने पर हमें कोई नहीं देख सकेगा. जब पानी उतर जाएगा तब हम लौट आएंगे.' मीकू ने कहा.ना बाबा, मुझे तो नींद आ रही है। मैं तो अब सोने चला.'प्रकृति ने हमें इतनी फुर्ती दी है कि अगर हम इसका इस्तेमाल करें तो जरा-सी देर में हम ऊंची से ऊंची पहाड़ी पार कर सकते हैं.

दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परारी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है बढ़ कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने जड़ की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सास (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादकः इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

इंदिरा गांधी महाविद्यालय में संविधान दिवस समारोह संपन्न

गढ़चिरोली. एकता सामाजिक शिक्षण संस्था गढ़चिरोली द्वारा संचालित स्थानीय इंदिरा गांधी जूनियर साइंस कॉलेज और इंदिरा गांधी महाविद्यालय गढ़चिरोली में संविधान दिवस कार्यक्रम मनाया गया। संस्था सचिव एवं प्राचार्य तथा विश्व शांतिदूत प्रकाश आर. अर्जुनवार के मार्गदर्शन में प्रो. नलिनी लोखंडे, प्रो. दीपक ठाकरे, प्रो. प्रियंका चपले, अधीक्षक सुनील गोंगले आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने संविधान के महत्व को समझाते हुए प्रोफेसर ने अपने विचार व्यक्त किये। उपस्थित महानुभावों ने संविधान की महत्ता एवं महानता के बारे में बताया तथा विघार्थियों से आदर्श जीवन जीने एवं प्रगति करने का आग्रह किया। संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. दीपक ठाकरे ने किया।

धान के ढेर में लगी आग

> आग बुझाने के साधन नहीं, किसानों ने जताई चिंता

मुल.

मुल तहसिल अंतर्गत आनेवाले ग्राम चांदापुर हेटी के महेंद्र निमकर के खेत में रखे धान के ढेर को आग लगने से लगभग 40 क्विंटल धान के ढेर जलकर स्वाहा हो गए. यह घटना मंगलवार की शाम 6.30 बजे की है. इस घटना से परिसर के संबंधित किसान पर संकट के बादल छा गए. ईस वर्ष धान की खेती अच्छी होने से किसानो मे खुशी है. किसान मजदूर लगाकर फसल काटता है फिर खेतों मे ढिगारे लगा देते है. तत्पश्चात धान को बोरों मे भरकर ट्रक्टर ट्रकों पर लादकर खरेदी केंद्रों फर भेज देते है. ईस समय किसानों की सारी फसल खेत में ढेर लगाकर रखी हुई है. यह घटना महेंद्र लहानु निमकर के खेत मे घटी है. खेत में महेंद्र निमकर और उसके भाई जयेंद्र लहानु निमकर के 12+12 क्विटल तथा पडोसी विजय देशमुख के 15 क्विंटल के करीब धान के ढिगारे यह एक ही जगह महेंद्र निमकर के खेत मे अलग-अलग आसपास रखे हुए थे. इस घटना मे पुरा धान जल कर खाक हो गया है. आग बुझाने का कोई साधन खेतों में नही होने से तथा दमकल वाहन समय पर नही पहुचने से पूरा धान का ढेर जलकर पूरी तरह से खाक हो गया. फिलहाल आग लगने से किसान को मुआवज़ा दिए जाने की मांग परिसर के किसानों की ओर से की जा रही है. मामले में मुल पुलीस जांच कर रही है.

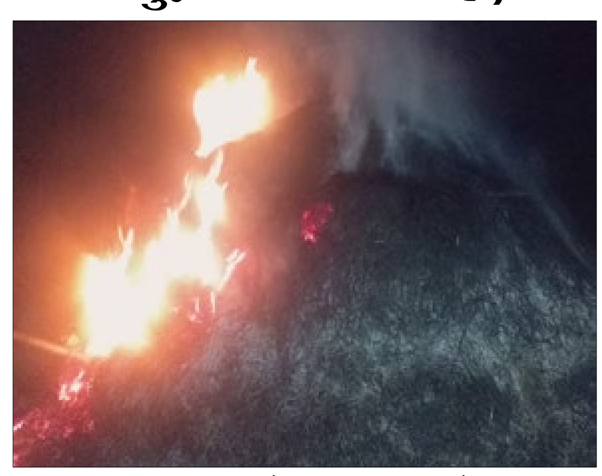

मुरपार जंगल में अवैध रेत परिवहन, ट्रैक्टर जब्त

चिमूर. मुरपार जंगल के कक्ष क्रमांक 26 की नाले में एक ट्रैक्टर अवैध रेत का परिवहन एवं हुक टुट जाने से जंगल में खडा एक ट्रैक्टर एफडीसीएम के अधिकारी कर्मचारी जंगल में पेट्रोलिंग करते समय पाया गया. दोनों ट्रैक्टर चालक मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज कर ट्रैक्टर को जब्त कर लिया गया है. यह घटना मंगलवार रात एक बजे की है. एक ट्रैक्टर के मालिक सुभाष राजेराम रणदिवे और चालक अनिकेत विनोद रणदिवे हैं और दूसरे ट्रैक्टर के मालिक ज्ञानेश्वर मारोती मेश्राम हैं और चालक रूपेश यशोक कुमरे के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. यह कार्रवाई चंद्रपुर वन परियोजना विभाग के प्रभागीय प्रबंधक वाई एस मरस्कोल्हे के मार्गदर्शन में खडसंगी एफडीसीएम वन परिक्षेत्र अधिकारी ए के सोनूरकर, वन रक्षक एस बी खोबरागड़े, वनपाल जी आई उईके, वनमजदूर यादव गोठे, पातुरकर, वाहन चालक संजय सालवे ने की है.

महिला हिंसा के खिलाफ जागरुकता अभियान

कुरखेडा. महिला हिंसा विरोधी वैश्विक पखवाड़ा 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक चलाया जा रहा है. पिछले 18 सालों से 'हम हमारे स्वास्थ्य के लिए' संस्था इस अभियान में काम कर रही है. संस्था महिलाओं के मुद्दों पर जागरूकता फैलाने का काम कर रही है, आपसे अनुरोध है कि इस अभियान में भाग लें। इस बीच, महिलाओं के खिलाफ अन्याय के खिलाफ कानूनी न्याय पाने के लिए जन जागरूकता पैदा की जा रही है।

किराना दुकान से हजारों रुपए की सुगंधित तंबाकू जब्त

बल्लारपुर. गुप्त सूचना के आधार पर, स्थानीय अपराध शाखा चंद्रपुर की एक टीम ने बल्लारपुर तालुका के कोठारी गांव में एक किराने की दुकान पर छापा मारा और दुकान से 12 हजार 275 रुपये का सुगंधित तंबाकू जब्त किया. उक्त कार्रवाई स्थानीय अपराध शाखा ने सोमवार (25) रात को की. इस मामले की जांच कोठारी पुलिस को सौंपी गई है. प्राप्त जानकारी के मुताबिक, स्थानीय क्राइम ब्रांच के कांस्टेबल प्रकाश बाल्की, नितिन साल्वे, सुभाष गोहोकर सरकारी वाहन में गश्त कर रहे थे. इसी दौरान सूचना मिली कि कोठारी गांव में एक किराना दुकान में प्रतिबंधित तंबाकू का स्टॉक है. उसके आधार पर जब पुलिस टीम दुकान पर पहुंची तो किराना दुकान में बालाजी लतारू वाढई (60) बैठे थे. जब गणेश बालाजी वाढई से पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि गणेश उनका बेटा है और आज वह गांव से बाहर गया है इसलिए वह खुद दुकान पर बैठा है. पुलिस टीम ने वहां आने का कारण बताते हुए दुकान का निरीक्षण किया तो कुल 12 हजार 275 रुपए मूल्य की सुगंधित तंबाकू जब्त की गई. इसके आधार पर पुलिस ने गणेश वाढई के खिलाफ धारा 275, 274, 223 के साथ धारा 30 (2) (ए), 26 (2) (4), 59 के तहत मामला दर्ज किया.

बैंक ऑफ महाराष्ट्र का जीवन प्रमाणपत्र जारी करने से इनकार

> उपभोक्ता पंचायत ने बैंक लोकपाल से की शिकायत

भद्रावती. शहर के सेवानिवृत्त वरिष्ठ नागरिकों को स्थानिक बैंक जीवन प्रमाण पत्र जारी करने से इन्कार करने की शिकायत ग्राहक पंचायत भद्रावती के पास प्राप्त होने के पश्चात शिकायत के आधार पर सोमवार को ग्राहक पंचायत भद्रावती ने बैंक लोकपाल के पास शिकायत दर्ज की है. भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र और बैंक ऑफ इंडिया जीवन प्रमाण पत्र क्यों जारी नहीं कर रहे ऐसी पूंछतांछ ग्राहक पंचायत ने करने से यह चर्चा का विषय बना रहा. शहर में छह राष्ट्रीयकृत बैंक हैं. आयुध निर्माणी चांदा के सेवानिवृत्त नागरिकों का पेंशन खाता यह बैंक ऑफ महाराष्ट्र, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ इंडिया में अधिक है. पिछले कुछ दिनों में सरकार ने आयुध निर्माणी चांदा के सेवानिवृत्त नागरिकों के पेंशन खाता स्पर्श को स्थानांतरित करने से स्थानिय बैंक सेवानिवृत्ती पेंशन धारकों को जीवन प्रमाणपत्र देने से इन्कार कर रहे है. बैंक के कहने पर सभी को जीवन प्रमाणपत्र सेतु से निकालने पड रहे है.

इसके लिए नागरिकों को 100 से 200 रूपए खर्च करने पड रहे है. बैंक के ग्राहक होने के साथ-साथ सरकारी नियम 2023 के अनुसार, बैंक को जीवन प्रमाण पत्र जारी करना अनिवार्य है, लेकिन बैंक जीवन प्रमाण पत्र जारी करने से इनकार कर रहे हैं, इसलिए यहां के ग्राहक पंचायत ने तीनों बैंक को पत्र देकर पुछने पर भारतीय स्टेट बैंक और बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधकों ने बैंक से जीवन प्रमाण पत्र बैंक से प्राप्त करने के लिए कहा और बैंक ऑफ महाराष्ट्र के शाखा प्रबंधक ने इनकार कर दिया. शासन के नियमों का उल्लंघन करने एवं स्वयं के नियम की मनमानी करने पर उपभोक्ता पंचायत भद्रावती ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र के शाखा प्रबंधक के खिलाफ जिला उपभोक्ता संरक्षण परिषद चंद्रपुर, बैंक लोकपाल और भारतीय रिजर्व बैंक से शिकायत की है.

लिखित शिकायत करें...

सभी वरिष्ठ नागरिकों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों को जीवन प्रमाण पत्र के लिए बैंक के शाखा प्रबंधकों के पास जाना चाहिए. उपभोक्ता अधिकारों का प्रयोग किया जाना चाहिए. यदि कोई बैंक जीवन प्रमाण पत्र जारी करने से इनकार करता है, तो बैंक लोकपाल या उपभोक्ता पंचायत को लिखित शिकायत की जानी चाहिए. ऐसी जानकारी प्रवीण रामचन्द्र चिमुरकर, सचिव, अखिल भारतीय उपभोक्ता पंचायत भद्रावती और सदस्य जिला उपभोक्ता संरक्षण परिषद, चंद्रपुर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी.

पूर्व सासंद अशोक नेते ने दी कलंत्री परिवार को सांत्वना..

प्रतिष्ठित व्यापारी तथा गौ भक्त गोपीकृष्ण कलंत्री के निधन पर व्यवसायी वर्ग में शोक व्याप्त...

गढ़चिरोली. गढ़चिरोली शहर के प्रसिद्ध व्यवसायी एवं गौभक्त श्री गोपीकृष्ण कलंत्री का कल रात अचानक निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलने पर पूर्व सांसद एवं भाजपा अनु. जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव अशोक नेते ने उनके आवास पर जाकर उनके परिजनों को सांत्वना दी. इस समय श्रद्धांजली देते हुए श्री नेते ने कहा कि कलंत्री के निधन से व्यापारी वर्ग और सामाजिक कार्यों में एक बड़ी रिक्तता पैदा हो गई है और उन्होंने उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस शोक यात्रा में जिला अध्यक्ष प्रशांतजी वाघरे के साथी पत्रकार कैलाश शर्मा भी उपस्थित थे.

वारबुकी पंछियों का अवैध शिकार करने वाला गिरफ्तार

> बल्लारशाह वनपरिक्षेत्र की कार्रवाई

बल्लारपुर. बल्लारशाह वनपरिक्षेत्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने वारबुकी पक्षियों का शिकार कर बेचने वाले शिकारी को ढूंढकर गिरफ्तार किया है। देशी वारबुकी एक ऐसे पंछी के रूप में जाना जाता है जो 40 मील प्रति घंटे की गति से उड़ सकता है और प्रकृति के चक्र में एक महत्वपूर्ण तत्व है। आरोपी संजय दादाजी नाणे उम्र 33 को गुप्त सूचना के आधार पर 25 नवंबर की शाम करीब 7 बजे विसापुर टोल नाका क्षेत्र में पाया गया कि वह अवैध रूप से उक्त पक्षी का शिकार कर बेच रहा था।

जब आरोपी को विसापुर से हिरासत में लिया गया और तलाशी ली गई तो उसके पास एक मृत वारबुकी पंछी मिला। उसके बाद आरोपी के घर जाकर जब और तलाशी ली गई तो घर में एक जिंदा वारबुकी पंछी मिला और वारदात में इस्तेमाल की गई सामग्रियां भी मिलीं. आरोपी से आगे की पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना गुनाह कबूल किया कि वह वर्धा नदी के दूसरे किनारे पर रेत में पंछीयो को जाल लगाकर पकड़कर बेच रहा था।

वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत वन्यजीव मामले के तहत आरोपी के घर से वन अपराध में मोटर साइकिल एवं अपराध में इस्तेमाल की गई सामग्री जप्त की गयी यह कार्यवाही सहायक वनसंरक्षक आदेश कुमार शेंडगे, वनपरिक्षेत्र अधिकारी बल्हारशाह नरेश भोवरे एवं डब्ल्यूपीएसआई के प्रतिनिधि मुकेश भांदकर, क्षेत्र सहायक कोमल घुगलोत, वर्षा पीपरे, सुधीर बोकड़े, अनिल चौधरी और सुरक्षाकर्मी नितेश बावने ने सहयोग किया है.

इस मामले की आगे की जांच मध्य चंदा वन प्रभाग चंद्रपुर की उपवनसंरक्षक स्वेता बोडू, सहायक वनसंरक्षक आदेशकुमार शेंडगे के मार्गदर्शन मे बल्लारशाह वनपरिक्षेत्र अधिकारी नरेश भोवरे कर रहे हैं।

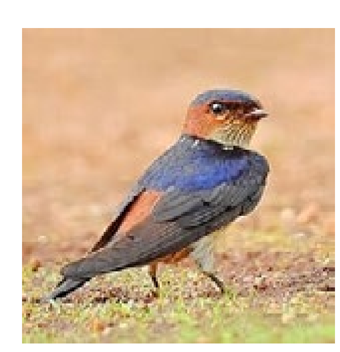

निर्धारित समय से पहले शहर में बियर बार शुरू

> कार्रवाई हुई या नहीं, यह अभी पता नहीं: पोलेवार

वरोरा.

हाल ही के विधानसभा चुनाव की आचार संहिता घोषित होते ही वरिष्ठ स्तर के अधिकारियो ने नियमों को सख्ती से लागू करने के निर्देश जारी किये थें. इन निर्देशाअनुसार लोगों से नियमो का पालन करवाने का जिम्मा विधानसभा के हर स्तर के अधिकारियो पर था. लेकिन आबकारी विभाग नियम तोडने वाले पर कारवाई करने के बजाय उनकी रक्षा करने में डटकर खड़ा दिखने का मामला वरोरा आबकारी विभाग में उजागर हो रहा है. बिअर बार खुलने के निर्धारित समय के पहले पिछले कई दिनो से दूसरे गेट से बार खोलने की आदत से मजबूर कुछ बार रविवार की सुबह खुलकर नशेडियों को सेवा देकर ज्यादा पैसा कमाने के चक्कर में खुले आम शराब बेच रहा था. यह कर्तुत बार के सीसीटीव्ही में कैद होगी. इस माध्यम से बियर बार संचालक नियम को धता बता रहे है.

इस ओर शहर के एक जागृत नागरिक की नजर पडते ही रविवार सुबह लगभग 9.55 बजे वरोरा आबकारी विभाग के निरीक्षक विकास बी. थोरात को फोन कर जानकारी दी. तब खबर देनेवाले व्यक्ति को वृंदावन रु बार पर नियमानुसार कार्रवाई करने का आश्वासन थोरात ने दिया था. कर्मचारी के मुताबिक समय से पहले बार खुलने पर स्पॉट पंचनामा करना सीसीटीव्ही चेक करके ब्रिज केस के लिये बार मालिक को नोटीस जारी करना जैसी औपचारिकता होती है. किंतु थोडी ही देर में लगभग 10.05 बजे बार से संबंधित व्यक्ति को जानकारी देने वाले व्यक्ती को फोन आया ओर पुछा की आबकारी विभाग में संबंधित बार की खबर पर बाते करने लगा.

जानकारी देने वाले व्यक्ती की बात सिर्फ आबकारी विभाग के अधिकारी थोरात से थी तो यह बात बार के व्यक्ती को कैसे पता चली अगर यह बात आबकारी विभाग से लिक हुई है तो आगे चलकर कोई भी किसी विभाग को गुप्त जानकारी कैसे देगा अगर शिकायतकर्ता की पहचान आबकारी विभाग ने उजागर की होगी तो एकतरह जानकारी देने वाले की जान जोखीम में डालने काम हुवा है.

इसकी वरिष्ठ अधिकारी जाच करके पहचान उजागर करने वाले पर कार्रवाई करें इसके साथ ही बार मलिक को कार्रवाई से बचाने के लिये अपनी ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले पर भी कार्रवाई करें. साथ ही सूचना देने वाले को पुलिस सुरक्षा प्रदान कर आबकारी विभाग संबंधित विषय की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग शिकायतकर्ता ने की है. शिकायतकर्ता की पहचान जिसने उजागर की उसके खिलाफ नियमानुसार कडी कारवाई की मांग की है.

आबकारी विभाग वरोरा के सब इन्स्पेक्टर एस एच पोलेवार से पूछने पर बताया कि संबंधित बार वृंदावन समय से पहले खुला होगा तो ब्रिज केस की कारवाई हो सकती है. इसकी प्रक्रिया नोटीस देना है. समय से पहले बार खुलने पता लगाना यह जाच का विषय है. लेकिन थोरात साहब ने कार्रवाई की या नहीं पता नहीं. सर छुट्टी पर है उनसे संपर्क नहीं हो रहा. फिलहाल हमारे कार्यालय में वृंदावन बार संमनधित कार्रवाई के संदर्भ कोई जानकारी उपलब्ध नहीं इसके बारे में थोरात सर ही बता सकेंगे.

सामंथा ने सफेद से काला करवाया वेडिंग गाउन

साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने 2021 में नागा चैतन्य से तलाक ले लिया था. अब उन्होंने नागा चैतन्य के साथ तलाक के बाद उन्हें हुई ट्रोलिंग के बारे में खुलकर बात की. एक्ट्रेस इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'सिटाडेल: हनी बनी' के लेकर सुर्खियों में बनी हुई है. एक्ट्रेस अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में है. एक्ट्रेस शादी के 4 साल बाद नागा चैतन्य से अलग हो गई थी. वहीं अब एक्ट्रेस ने तीन साल बाद अपनी वेडिंग ड्रेस को री-डिजाइन करा लिया है. उन्होंने अपनी व्हाइट ड्रेस को ब्लैक ड्रेस करवा लिया है.

हाल ही में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में बताया - दुर्भाग्य से, हम एक ऐसे समाज में रहते हैं जो पूरी तरह से पितृसत्तात्मक है. यहां कभी भी कुछ गलत होता है तो एक महिला को इसका शिकार होना पड़ता है. एक महिला को बहुत अधिक आलोचना और बहुत अधिक शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है, न केवल ऑनलाइन, बल्कि वास्तविक जीवन में भी.तलाक के बारे में उन्होंने कहा-जब एक महिला तलाक से गुजरती है, तो उसके साथ शर्म और कलंक जुड़ जाता है. मुझे 'सेकंड हैंड', 'यूज्ड' और 'वेस्टेड लाइफ' जैसे बहुत सारे टैग मिले. आपको एक ऐसे कोने में धकेल दिया जाता है, जहां आपको ऐसा महसूस होने लगता है कि आप असफल हैं, क्योंकि एक समय आपकी शादी हुई थी और अब आपकी शादी टूट गई है और मेरा मानना है कि यह उन परिवारों और लड़कियों के लिए वास्तव में कठिन हो सकता है जो इससे गुजर चुके हैं.

'स्लम डॉग मिलियनेयर' का बनेगा सीक्वल

स्लमडॉग मिलियनेयर फिल्म साल 2008 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को डैनी बॉयल ने बनाया था और इस फिल्म ने ऑस्कर अवार्ड जीतकर जबरदस्त कामयाबी हासिल की थी। अब यह खबर सामने आई है कि इस फिल्म का सीक्वल बना सकता है। ब्रिज 7 नाम की एक कंपनी ने स्लमडॉग

मिलियनेयर के फिल्म सीक्वल और टीवी राइट्स खरीद लिये हैं।

दरअसल ब्रिज 7 कंपनी नेटफ्लिक्स की पूर्व एग्जीक्यूटिव स्वाति शेट्टी और पूर्व सीएए एजेंट ग्रांट कैसमन की बनाई हुई कंपनी है और इस कंपनी ने स्लमडॉग मिलियनेयर का राइट खरीदा है। इन्होंने यह राइट यूके बेस्ड सैलाडोर कंपनी से खरीदे हैं और इसी के बाद से अब यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि स्लमडॉग मिलियनेयर फिल्म का सीक्वल आने वाले वक्त में बन सकता है।

अभी इस बात पर कोई जानकारी नहीं मिली है कि फिल्म में पुराने सितारे यानी अनिल कपूर, फ्रीडा पिंटो और देव पटेल ही नजर आएंगे या फिर इसके अगले चैप्टर में सभी नए कलाकारों को मौका दिया जाएगा। फिल्म से जुड़ी अधिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

बस यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि फिल्म के सीक्वल के शूटिंग की जल्दी शुरुआत होने वाली है। डैनी बॉयल की मिलियनेयर फिल्म रियलिटी शो पर बनी फिल्म थी। इस फिल्म में शो के होस्ट का किरदार अनिल कपूर ने निभाया था, जबकि देव पटेल और फ्रीडा पिंटो फिल्म में अहम भूमिका में नजर आए थे।

बुजुर्ग अंकल ने सारा को किया प्रोटेक्ट

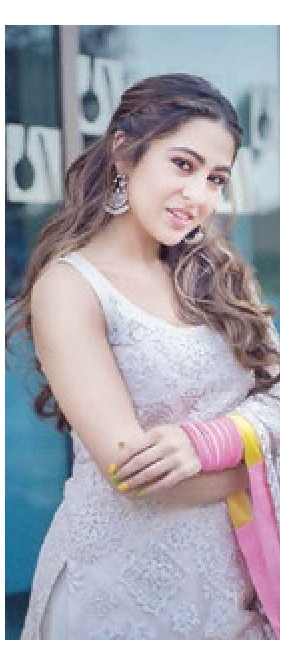

सारा अली खान बॉलीवुड की एक्ट्रेस हैं, वो सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस खुद से जुड़े अपडेट सोशल मीडिया पर साझा करती हैं। लेकिन इस समय सारा अली खान का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में सारा अली खान को पैपराजी से बचाते हुए एक बुजुर्ग अंकल नजर आए। वीडियो को देखकर आप भी हैरान रह जाएंगे। आपको भी समझ में नहीं आएगा कि आखिरकार बुजुर्ग अंकल उन्हें पैपराजी से क्यों बचा रहे हैं।वीडियो में आप देख सकते हैं कि पैपराजी सारा अली खान को अपने कमरे में कैद करने का प्रयास कर रहे हैं। इसी बीच एक अंकल सारा अली खान के बचाव में आ जाते हैं और वह पैपराजी सारा का वीडियो बनाने से रोकने की कोशिश करते हैं। बुजुर्ग शख्स की इस हरकत की वजह से खुद सारा अली खान भी हैरान नजर आ रही हैं। लेकिन सोशल मीडिया पर बुजुर्ग अंकल की तारीफ हो रही है लोग उन्हें जेंटलमैन बता रहे हैं।

सारा अली खान के काम की अगर बात करें तो वह जल्द ही 'मेट्रो इन दिनों' नाम की फिल्म में नजर आएंगी। इस फिल्म में आदित्य रॉय कपूर और कोंकणा सेन शर्मा उनके साथ नजर आएंगे। सारा अली खान अपने टूर को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। कुछ समय पहले ही उन्होंने केदारनाथ के दर्शन किया था। सारा अली खान शंकर भगवान की बड़ी भक्त हैं। उनके स्कार्फ पर महाकाल लिखा हुआ दिखाई दे रहा है।

'डॉन 3' हुई पोस्टपोन

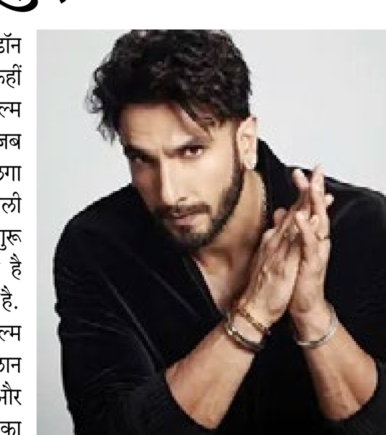

जब से रणवीर सिंह की फिल्म 'डॉन 3' का ऐलान हुआ है, तभी से मामला कहीं फंसता नजर आया है. पहले तो उन्हें फिल्म में लेने से ही लोग खुश नहीं थे. पर जब उन्हें एक्सेप्ट किया गया, तो पता लगा कि पहली पसंद कोई और था. फाइनली फिल्म की शूटिंग जनवरी, 2025 में शुरू होने वाली थी. पर अब कहा जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग पोस्टपोन हो गई है.

फरहान अख्तर ने अपनी फिल्म 'डॉन 3' का कुछ समय पहले ही ऐलान कर दिया था. एक प्रोमो आया और उसमें दिखे थे रणवीर सिंह. फिल्म का प्री-प्रोडक्शन वर्क भी तेजी से चलने की खबरें हैं. फिल्म की जो तैयारियां हो रही हैं, उसकी तस्वीर भी वायरल हुई थी. पर अब कहा जा रहा है कि फरहान अख्तर की वजह से शूटिंग में देरी हो सकती है.

इससे पता लगा कि फरहान अख्तर फिलहाल अपने दूसरे प्रोजेक्ट पर काम करने की प्लानिंग कर रहे हैं. हाल ही में इसका ऐलान भी किया गया था, जो है- '120 बहादुर'. दरअसल यह एक्सेल एंटरटेनमेंट की 'वॉर' फिल्म है. इस फिल्म में मेजर का रोल कर रहे हैं. ऐसे में पहले इसका काम कंप्लीट कर फ्री हो जाना चाहते हैं.

हाल ही में रणवीर सिंह 'सिंघम अगेन' में नजर आए थे. अजय देवगन की इस फिल्म में वो भगवान हनुमान से प्रेरित किरदार निभा रहे थे. सिम्बा का परफॉर्मेंस देखकर फैन्स काफी खुश हुए. दरअसल इस पिक्चर में अगर कुछ भी अच्छा था, तो वो रणवीर सिंह की कॉमिक टाइमिंग. जिसने फैन्स को खुश कर दिया.

धनुष-नयनतारा का झगड़ा अदालत पहुंचा

साउथ अभिनेता धनुष और एक्ट्रेस नयनतारा के बीच फुटेज के इस्तेमाल को लेकर शुरु हुआ विवाद खत्म होता नहीं दिख रहा. धनुष ने नयनतारा के खिलाफ बिना मंजूरी के नेटफ्लिक्स डॉक्यूटमेंट्री में उनकी फिल्म नानुम राउडी धान के विजुल्स इस्तेमाल करने के मामले में सिविल सूट दायर कर दिया है. उन्होंने नयनतारा और उनके पति फिल्ममेकर विग्नेश सिवन के खिलाफ मद्रास हाई कोर्ट में ये याचिका लगाई है.

धनुष की प्रोडक्शन हाउस कंपनी वुंडरबार फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड नयनतारा, विग्नेश और उनकी कंपनी राउडी पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेट के खिलाफ कोर्ट पहुंची है.

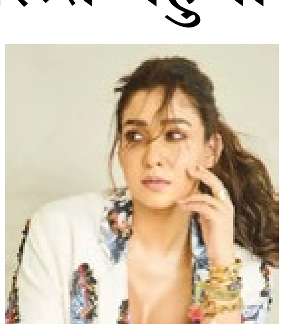

याचिका में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने नानुम राउडी धान फिल्म के विजुअल्स का इस्तेमाल नेटफ्लिक्स की डॉक्यू-ड्रामा नयनतारा: बियॉन्ड द फेरीटेल में किया है.धनुष की कंपनी ने हाई कोर्ट में एक एप्लिकेशन भी दायर की है.

अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ की रॉयल वेडिंग

बॉलीवुड के पॉपुलर कपल अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ ने दूसरी बार एक दूसरे का हाथ थामा है. एक्ट्रेस दूसरी बार सिद्धार्थ की दुल्हन बन गई हैं. दोनों साथ में बेहद प्यारे लग रहे हैं. 16 सितंबर को दोनों ने 400 साल पुराने मंदिर में शादी की थी. इस दौरान ट्रेडिशनल आउटफिट में जच रहे थे. अब राजस्थान के अलीला फोर्ट बिशनगढ़ में रॉयल वेडिंग की तस्वीरें सामने आ गईं है. इन तस्वीरें को अदिति राव हैदरी ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है. यूं तो दोनों ने दूसरी बार शादी की है या फिर सिर्फ ब्राइडल फोटोशूट है. यह जानने के लिए फैन्स भी काफी एक्साइटेड हैं. पर इस खास मौके की जो तस्वीरें सामने आईं है, उसमें कोई भी फैमिली मेंबर नजर नहीं आया.अदिति राव हैदरी लाल रंग के लहंगे में बेहद

खूबसूरत नजर आ रही हैं. माथा पट्टी, नथ और हैवी ज्वेलरी के साथ अदिति ने लुक को कंप्लीट किया है. वहीं सिद्धार्थ क्रीम कलर की शेरवानी और मोतियों वाली माला पहने दिख रहे हैं. खेतों के बीचों-बीच दोनों ने ब्राइडल फोटोशूट भी करवाया है. राजस्थान में अदिति-सिद्धार्थ ने जो शादी की, वो तस्वीरें नई हैं या फिर पुरानी. इसकी जानकारी अबतक नहीं दी है. पर फैन्स दोनों को दोबारा बधाई दे रहे हैं. तस्वीरों में कपल शादी की रस्में निभाते हुए भी दिखाई दे रहे हैं. दोनों ने एक दूसरे को वरमाला भी पहनाई है. इस ड्रीमी वेडिंग ने हर किसी का ध्यान खींच लिया है. दोनों रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं.

फैन्स अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ को मेड फॉर इच अदर कह रहे हैं. एक्ट्रेस ने इस ड्रीमी वेडिंग के एक नहीं, बल्कि तीन अलग-अलग पोस्ट शेयर किए हैं. दूल्हे राजा अपनी रानी अदिति को कॉम्पलिमेंट करते दिख रहे हैं. दरअसल यह तस्वीरें देखकर भी फैन्स शॉक्ड हैं. हर बार कपल गुपचुप तरीके से शादी कर लेता है और फिर तस्वीरें शेयर की जाती है. 2 महीने पहले भी एक्ट्रेस ने पूर्वजों के बनाए मंदिर में शादी की थी. साथ ही सिंपल वेडिंग के लिए उनकी तारीफ भी हुई थी.

सितंबर में एक दूसरे का थामा था हाथ

अदिति-सिद्धार्थ ने इसी साल मार्च में सगाई की है. फिर सितंबर में शादी के बंधन में बंधे थे. अब दूसरी बार सिद्धार्थ की दुल्हन बन गई हैं. यूं तो दोनों की यह दूसरी ही शादी है. पहला रिश्ता लंबा नहीं चल पाया था, जिसके बाद अलग हो गए थे. साल 2021 से साथ थे, साल 2024 में शादी की.

सलमान खान ने ली थी मां सलमा से इजाजत?

सलमान खान अपनी मम्मी सलमा के लाडले बेटे हैं. भाईजान के लिए उनकी फैमली हमेशा फर्स्ट प्रायोरिटी रहती है. उन्हें कंपलीट फैमली मैन भी कहा जाता है. अपने भाई-बहनों के साथ सलमान खान हमेशा खड़े नजर आते हैं. खान फैमली के बच्चों के बीच काफी प्यार है. लेकिन सलमान खान अपनी मां सलमा खान के बेहद करीब हैं, वो उनसे अपने दिल की हर बात भी शेयर करते हैं. जितना सलमान अपनी मम्मी से प्यार करते हैं, उतना ही उनसे शर्माते भी हैं.

सोशल मीडिया पर सलमान खान का एक पुराना वीडियो सामने आया है. ये वीडियो बिग बॉस 13 के ग्रैंड फिनाले का है, जहां रोहित शेट्टी अपने खतरों के खिलाड़ियों के साथ पहुंचे थे. इस वायरल क्लीप में सलमान अपनी मम्मी से किसी को किस करने के लिए इजाजत मांगते हुए नजर आ रहे हैं. हालांकि मां सलमा की तरफ से न हां मिलती है और न ही मनाही होती है. ऐसे में सलमान खुद अपना फैसला ले लेते हैं.

वायरल क्लिप में अदा खान अपने हाथ में बड़ा-सा गिरगिट पकड़े हुए नजर आ रही हैं. उस गिरगिट को सलमान खान की तरफ बढ़ाते हुए अदा उनसे कहती हैं कि ये आपसे एक किस चाहती है बस. ये बात सुनकर सलमान घबरा से जाते हैं. पीछे से रोहित शेट्टी भी कहते हैं कि सर बस एक किस. सलमान घबराते हुए कहते हैं कि बढ़िया है.

अभय को आशीर्वाद के रूप में अमिताभ ने दिये थे सूखे मेवे

अमिताभ बच्चन के अभिनय के अलावा उनकी शख्सियत की वजह से भी उन्हें काफी पसंद किया जाता है। बॉलीवुड में उनका अपना एक अलग अंदाज है और इंडस्ट्री से जुड़े हर व्यक्ति के पास उन्हें लेकर कोई न कोई कहानी होती है। हाल में फिल्म मुंजा में नजर आए अभिनेता अभय वर्मा ने बिग बी से जुड़ी एक याद साझा की है। इस दौरान उन्होंने बताया कि कैसे अमिताभ ने उन्हें अपनी जेब से कुछ मेवे निकाल कर दिए थे, जिनमें से एक बादाम उन्होंने तब संभाल कर रख लिया था।

हाल में ही अभय वर्मा हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया के साथ एक राउंडटेबल इंटरव्यू में नजर आए। इस दौरान उन्होंने बिग बी के साथ अपनी पहली यादगार मुलाकात का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दिग्गज अभिनेता के आने से पहले ही

सेट पर माहौल उत्सुकता से भरा हुआ था। ऐसे में जब बिग बी अंदर आए, तो अभय ने अपनी हाथों को पीठ के पीछे कर खड़े हो गए, जैसे वो स्कूल के हेडमास्टर के सामने खड़े हों। अभिनेता ने कहा कि जब उन्होंने अमिताभ के पैर छूए, तो उन्होंने भी गर्मजोशी के साथ प्रतिक्रिया दी और अपने जेब से कुछ सूखे मेवे निकाल कर उन्हें दिए।अभय ने आगे बताया कि उन्होंने इसे आशीर्वाद के रूप में लिया। हालांकि, तब उनके मन में ये विचार आया है कि क्या उन्हें ये खाना चाहिए या संभाल कर रख लेना चाहिए। आखिरकार, उन्होंने उन्हें खा लिया, लेकिन एक बादाम सावधानी से छिपा कर रख दिया। अभिनेता ने कहा, "मैंने उन्हें खा लिया, लेकिन मैंने एक बादाम बचा लिया। दुख की बात है कि बाद में वह खराब हो गया।" बात करें अभय के वर्क फ्रंट की, तो वो अपनी आगामी फिल्म किंग में बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ स्क्रीन साझा करते हुए नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ अभिषेक बच्चन, सुहाना खान आदि कलाकार भी नजर आने वाले हैं। फिल्म को सुजॉय घोष निर्देशित करने वाले हैं। वहीं, अमिताभ बच्चन इन दिनों अपने लोकप्रिय टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति के 16वें सीजन की मेजबानी करते दिख रहे हैं। इसके अलावा वो जल्द ही सेक्शन 84 में नजर आएंगे।

हिना खान ने ब्रेकअप की खबरों को खुद क्यों दी हवा?

छोटे पर्दे से लेकर बड़े पर्दे तक हर जगह बड़ा मुकाम हासिल करने वाली एक्ट्रेस हिना खान फिलहाल लोगों के लिए बड़ी मिसाल बन चुकी हैं. हिना स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर से लड़ रही हैं. एक्ट्रेस बड़ी हिम्मत के साथ अपने बुरे दौर का सामना करती हुई नजर आ रही हैं. हाल ही में उन्हें बिग बॉस 18 के मंच पर भी देखा गया था. बीते कुछ वक्त पहले खबर आई थी कि हिना खान के बॉयफ्रेंड रॉकी जैसवाल के साथ उनका ब्रेकअप हो गया है, लेकिन सच्चाई तो कुछ और ही है.

दरअसल जब हिना खान के कैंसर की खबर सामने आई, तो सभी ने उम्मीद की इस मुश्किल घड़ी में रॉकी उनका साथ जरूर

देंगे. लेकिन उसी बीच हिना ने कुछ ऐसे पोस्ट शेयर और लाइक किए, जिन्होंने उनके और रॉकी के ब्रेकअप की खबरों को हवा देनी शुरू कर दी. हर तरफ खबर छाने लगी की हिना और रॉकी अब साथ नहीं है. दोनों ने इन खबरों पर चुप्पी साधी रही और खबरों पर अपना किसी भी तरह का रिएक्शन शेयर नहीं किया.

अब हाल ही में हिना खान मालदीव पहुंची थीं.

कैंसर की जंग के बीच उन्हें खिलखिलाते हुए देख उनके फैन्स काफी खुश थे. हिना ने खुद कई सारी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं. लेकिन उसी दौरान रॉकी ने भी अपने इंस्टा अकाउंट पर मालदीव की तस्वीरें शेयर की थी. दोनों एक ही वक्त पर मालदीव में मौजूद थे. लेकिन किसी ने एक-दूसरे के साथ अपनी तस्वीर शेयर नहीं की.

लेकिन जब हिना खान और रॉक जैसवाल के पोस्ट पर सेम आईलैंड और सेम कलेक्शन का टैग देखा गया और दोनों की तस्वीरे भी सेम लोकेशन से शेयर की गईं, तो पता चला कि ये दोनों एक साथ ही जगह पर मौजूद थे. अब सवाल ये है कि जब दोनों के ब्रेकअप की खबरें आ रही थीं, लोग हिना खान के हक में आवाज उटा रहे थे, तो दोनों में से किसी ने इन अफवाहों को शांत करने की कोशिश क्यों नहीं की? अब इस सवाल का जवाब तो हिना और रॉकी ही दे सकते हैं.

सैम अय्यूब ने जड़ा शतक

पाक ने जिंबॉब्वे को दूसरे वनडे में 10 विकेट से रौंदा

बुलावायो .

पाकिस्तान टीम इन दिनों जिम्बाब्वे दौरे पर मोजूद है. दोनों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जा रही है. सीरीज के पहले मुकाबले में जिम्बाब्वे ने पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी थी. अब दूसरे वनडे में पाकिस्तान ने हिसाब बराबर करते हुए जिम्बाब्वे को 10 विकेट से हरा दिया. इस जीत के साथ पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे से वनडे सीरीज हारने का खतरा भी टाल दिया.

दूसरा वनडे बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेला गया. मुकाबले में जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला किया था, जो उनके लिए बिल्कुल भी ठीक साबित नहीं हुआ.

पाकिस्तान की तरफ से पहले शानदार बॉलिंग देखने को मिली और बैटिंग में कमाल करते हुए पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे को 10 विकेट से हरा दिया.पहले बैटिंग करते हुए जिम्बाब्वे की टीम 32.3 ओवर में सिर्फ 145 रनों पर ऑलआउट हो गई. इस दौरान टीम के लिए डायोन मायर्स ने सबसे बड़ी पारी खेलते हुए 30 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 33 रन बनाए. पाकिस्तान के लिए इस दौरान स्पिनर अबरार अहमद ने 4 विकेट अपने नाम किए. बाकी 3 विकेट आगा सलमान को मिले. इसके अलावा 1-1 सफलता सैम अय्यूब और फैसल अकरम को मिली. पाकिस्तान के लिए 9 विकेट स्पिनर्स ने लिए. बाकी जिंबॉब्वे का एक विकेट रन आउट के जरिए गिरा.

दूसरे वनडे में पाकिस्तान की जीत के साथ सीरीज 1-1 से बराबर हो गई है. अब दोनों के बीच सीरीज का तीसरा और आखिरी वनडे, जो फाइनल आज खेला जाएगा. तीसरा वनडे जीतने वाली टीम सीरीज अपने नाम करेगी.

फिर लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम ने 18.2 ओवर में 148 रन बोर्ड पर लगाकर जीत हासिल कर ली. टीम के लिए सैम अय्यूब ने 62 गेंदों में 17 चौके और 3 छक्कों की मदद से 113* रनों की पारी खेली. यह अय्यूब के अंतर्राष्ट्रीय करियर का पहला शतक रहा. इसके अलावा उनके साथ देते हुए अब्दुल्लाह शफीक ने 48 गेंदों में 4 चौकों की मदद से 32* रन बनाए.

23 साल के ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी की मौत

नई दिल्ली.

एक ओर जहां ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर सीरीज का आयोजन हो रहा है वहीं दूसरी ओर इस सीरीज के बीच पूरे ऑस्ट्रेलिया में शोक की लहर दौड़ गई है. खबर बेहद ही दुखद है, क्योंकि एक युवा ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने दम तोड़ दिया है. ये खिलाड़ी महज 23 साल का था और वो स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर जैसे दिग्गजों के साथ भी मैच खेला है. बात हो रही है डार्विन के क्रिकेटर आदि डेव की, जिनकी मौत के बाद से पूरी ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट कम्युनिटी सदमे में है. इस खिलाड़ी की मौत कैसे हुई, इसका अभी खुलासा नहीं हुआ है. द डार्विन क्रिकेट क्लब ने अपनी सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि उनका खिलाड़ी आदि डेव अब इस दुनिया में नहीं रहा. आदि डेव ऑलराउंडर थे.वो अपनी लेफ्ट आर्म स्पिन के लिए मशहूर थे. ये खिलाड़ी महज 15 साल की उम्र में सुर्खियों में आया था. साल 2017 में डार्विन में डेविड वॉर्नर और स्टीव स्मिथ की टीम के बीच इंटरा-स्क्वाड मैच खेला गया था जिसमें आदि डेव को फील्डिंग करने का मौका मिला था.

गुजरात के उर्विल पटेल ने 28 गेंद पर जड़ा शतक

इंदौर.

गुजरात के विकेटकीपर बल्लेबाज उर्विल पटेल ने बुधवार को यहां त्रिपुरा के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैच में केवल 28 गेंद पर शतक जड़कर टी20 क्रिकेट में सबसे तेज शतक का नया भारतीय रिकॉर्ड बनाया।

उर्विल ने ठीक एक साल पहले लिस्ट ए में सबसे तेज सैकड़ा जमाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की सूची में दूसरे नंबर पर अपना नाम लिखवाया था। टी20 क्रिकेट में 26 वर्षीय उर्विल ने ऋषभ पंत का भारतीय रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 2018 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में ही हिमाचल प्रदेश के खिलाफ 32 गेंद पर शतक बनाया था. उर्विल इस तरह से टी20 क्रिकेट में सबसे तेज शतक बनाने वाले खिलाड़ियों में दूसरे स्थान पर काबिज हो गए हैं। विश्व रिकॉर्ड एस्टोनिया के साहिल चौहान के नाम पर है जिन्होंने साइप्रस के खिलाफ 27 गेंद पर शतक बनाया था। सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरे उर्विल ने 35 गेंद पर नाबाद 113 रन बनाए जिसमें सात चौके और 12 छक्के शामिल हैं। उनके इस शानदार प्रदर्शन से गुजरात ने केवल 10.2 ओवर में 156 रन का लक्ष्य हासिल कर दिया।

इस आक्रामक बल्लेबाज को हाल में इंडियन प्रीमियर लीग की नीलामी में कोई खरीदार नहीं मिला था। उर्विल ने एक साल पहले चंडीगढ़ में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी के मैच में 41 गेंद पर 100 रन बनाए थे जो लिस्ट ए में किसी भारतीय बल्लेबाज का दूसरा सबसे तेज शतक है।

आईपीएल 2025 में दिनदहाड़े हुई 3 बार स्पॉट फिक्सिंग?

लग सकता है बैन!

नई दिल्ली.

जिस क्रिकेट लीग में दुनिया भर के नामचीन खिलाड़ी खेल रहे हैं, क्या वहां स्पॉट फिक्सिंग हुई है? जिस लीग में आईपीएल 2025 के लिए करोड़ों में बिके कई खिलाड़ी खेल रहे हैं, क्या वहां मैच फिक्सिंग हुई है? ये सवाल इसलिए क्योंकि उस लीग से जुड़ी कुछ ऐसी तस्वीरें आई हैं वैसी घटनाओं के संकेत दे रही हैं. क्रिकेट को जेन्टलमैन गेम कहा जाता है. लेकिन अबू धाबी टी10 इसकी जेन्टलमैन छवि को लेकर सवालों के घेरे में है. वहां से आई 3 मैच में 3 खिलाड़ियों के नो बॉल फेंकने की 3 तस्वीरें इस वक्त कई सवालों को जन्म देते दिख रही हैं? क्या अबू धाबी 10 लीग का आयोजन सही है? क्या आईसीसी को इस लीग में संज्ञान नहीं लेना चाहिए? क्या उन 3 खिलाड़ियों पर बैन लगेगा?

अब आप सोच रहे होंगे कि नो बॉल की वो 3 तस्वीरें कौन सी हैं, जो स्पॉट फिक्सिंग के भूत को फिर से जगाता दिख रहा है? नो बॉल पहली तस्वीर अबू धाबी टी10 में 22 नवंबर को सैंप आर्मी और न्यूयॉर्क स्ट्राइकर्स के बीच खेले मैच की है. इस मुकाबले में पाकिस्तान में जन्में यूएई के गेंदबाज हजरत बिलाल गेंदबाजी ने एक लंबी नो बॉल डाली, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर उनकी भारी फजीहत हुई और अबू धाबी टी10 में स्पॉट फिक्सिंग को लेकर सवाल उठे.

नो बॉल की दूसरी तस्वीर 25 नवंबर को बांग्ला टाइगर्स और दिल्ली बुल्स के बीच खेले मुकाबले में दिखी. यहां नो बॉल ओवर स्टेपिंग के चलते नहीं बल्कि अफगानिस्तान के गेंदबाज नवीन-उल-हक की गेंद के ऊंची हाईट के चलते हुई. बांग्ला टाइगर्स को जीत के लिए 12 गेंदों में 41 रन चाहिए थे, जिसके बाद गेंदबाजी पर आए नवीन ने अपने ओवर में जो कि बांग्ला टाइगर्स की इनिंग का 9वां ओवर था, उसमें 29 रन दे दिए. नवीन ने इस ओवर में एक वाइड फेंकी और एक नो बॉल, जिसका पूरा फायदा मैच में 15 गेंदों पर अर्धशतक जमाने वाले लिविंग्स्टन ने उठाया.

तीसरी तस्वीर भी 25 नवंबर को बांग्ला टाइगर्स और दिल्ली बुल्स के बीच खेले मैच की ही है. जहां श्रीलंकाई गेंदबाज दासुन शनका ने अपने एक ही ओवर की पहली 3 गेंदों पर 30 रन दे दिए. ऐसा इसलिए क्योंकि उन्होंने उन 3 लीगल गेंदों के अलावा 4 नो बॉल डाल दिए. मतलब इतने जितने कई बार टी10 क्या टी20 के एक मैच में भी नो-बॉल नहीं पड़ते, उन्होंने सिर्फ एक ओवर में डाल दिए.

क्या ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम में आ गई है दरार?

नई दिल्ली.

जोश हेजलवुड ने एक टिप्पणी करके हलचल मचा दी थी, जिसमें संकेत दिया गया था कि भारत से हार के बाद ऑस्ट्रेलिया के ड्रेसिंग रूम में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। पहले टेस्ट के तीसरे दिन के खेल के बाद मीडिया के सामने आए हेजलवुड से पूछा गया था कि चौथे दिन उनकी टीम कैसे निपटेगी। जब ऑस्ट्रेलिया 534 रनों का पीछा करते हुए 12/3 की निराशाजनक स्थिति से कैसे उबरेगी। इस पर उन्होंने कहा कि आपको शायद ये सवाल बल्लेबाजों में से किसी एक से पूछना चाहिए। मैं आराम कर रहा हूं। मैं शायद अगले टेस्ट की ओर देख रहा हूं। हेजलवुड की टिप्पणी के बाद एडम गिलक्रिस्ट ने कहा कि मैं शायद इसे बहुत ज़्यादा पढ़ रहा हूं, इस टिप्पणी ने मुझे आश्चर्यचकित कर दिया। उन्होंने कहा कि मेरे हिसाब से यह मुझे बताता है कि संभावित रूप से एक विभाजित चेंज रूम है। मुझे नहीं पता कि ऐसा है या नहीं। जबकि इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा कि वे हेज़लवुड की टिप्पणी से "स्तब्ध" हैं। वहीं, अब इस मामले ट्रैविस हेड ने प्रतिक्रिया देते हुए 7न्यूज से कहा कि मुझे लगता है कि लोग एक खराब सप्ताह के बाद उस टिप्पणी को भूल गए हैं। सभी लड़के कल रात एक साथ रहे, एक समूह के रूप में हमारे तरीके में कोई बदलाव नहीं आया है।

दबंग दिल्ली केसी ने मुकाबला 39-39 से टाई कराया

नोएडा.

दबंग दिल्ली केसी ने पटना पाइरेट्स के मुंह से जीत को खींचते हुए नोएडा इंडोर स्टेडियम में मंगलवार को रिवेंज वीक के तहत खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 78वें मैच को 39-39 से टाई करा लिया। यह इस सीजन का कुल सातवां, दिल्ली का तीसरा और पटना का पहला टाई है।

30वें मिनट तक पटना 33-25 से आगे चल रहे थे लेकिन फिर दिल्ली ने आशीष के सुपर रेड की बदौलत वापसी की राह पकड़ी और पटना को आलआउट करते हुए लीड भी ले ली लेकिन फिर पटना ने संयम बनाए रखते हुए मैच टाई करा लिया। पटना के लिए देवांक ने 15 अंक बनाए जबकि दीपक और अंकित ने 7 और 5 अंक लिए। दिल्ली के लिए आशू ने एक बार फिर सुपर-10 लगाया जबकि सुपर रेड के साथ आशीष ने सात अंक बटोरे। नवीन ने भी 6 अंक का योगदान दिया। इस मैच के बाद दोनों टीमें क्रमशः छठे और सातवें स्थान पर ही बनी हुई हैं।

दोनों टीमों ने शानदार शुरुआत की। पांच मिनट बाद पटना 6-5 से आगे थे। इसमें देवांक के चार और सुपर रेड के साथ आशू के तीन अंक शामिल है। इस बीच आशीष ने पहली रेड पर आए अयान को लपक स्कोर 6-6 कर दिया। इस बीच अंकित ने डू ओर डाई रेड पर आशू का शिकार कर पटना को आगे कर दिया।

आशीष ने हालांकि देवांक को एंकल होल्ड कर मामला बराबर कर दिया। इसके बाद पांच के डिफेंस में नवीन डू ओर डाई रेड पर आए लेकिन लपक लिए गए। 10 मिनट बाद पटना 8-7 से आगे थे। ब्रेक के बाद पटना दो अंक से आगे थे और दिल्ली के लिए सुपर टैकल आन था, जिसका वे फायदा नहीं ले सके और आलआउट होकर 8-14 से पीछे हो गए।

आलइन के बाद पटना ने 1 के मुकाबले देवांक के मल्टी प्वाइंट रेड की बदौलत छह अंक लेकर फासला बढ़ा दिया।

पटना ने इस तरह 20-9 स्कोर के साथ पाला बदला। देवांक अपना सुपर-10 पूरा कर चुके थे। दिल्ली के लिए सुपर टैकल आन था लेकिन वे इसका फायदा नहीं ले सके और दूसरी बार आलआउट हुए। अब पटना 24-11 से आगे थे।

अगली रेड पर देवांक ने दो अंक लेकर फासला 31-22 कर दिया। दिल्ली ने इसके बाद 3 अंक लेकर वापसी की गुंजाइश बनाए रखी लेकिन लगातार दो अंक के साथ पटना ने 30 मिनट के खेल के बाद स्कोर 33-25 कर दिया। अपनी टीम को लगातार मुकाबले में बनाए रखने के प्रयास के तहत आशू ने सुपर-10 पूरा किया।

एक सीजन में दो ग्रैंड स्लेम

नई दिल्ली.

साल 2024 इटली के युवा टेनिस स्टार जेनिक सिनर के नाम रहा। 23 वर्षीय सिनर ने इस सीजन में शानदार प्रदर्शन करते हुए ना केवल नंबर-1 रैंकिंग हासिल की, बल्कि एक ऐसी उपलिब्ध हासिल की जो टेनिस जगत में बिग थ्री के नाम से मशहूर रोजर फेडरर, राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच भी हासिल नहीं कर पाए। सिनर ने इस सीजन ऑस्ट्रेलियन ओपन और यूएस ओपन के रूप में दो ग्रैंड स्लेम खिताब जीते, दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बने, साल के अंत में एटीपी फाइनल्स का खिताब जीता और लगातार दूसरी बार अपनी राष्ट्रीय टीम इटली को डेविस कप खिताब दिलाया। इस दौरान सिनर का जीत का औसत 92.41 फीसदी का रहा।

इस साल मार्च में सिनर डोप टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए थे और उनका मामला जांच के दायरे में है। निलंबन के कारण सिनर पेरिस ओलंपिक में भी हिस्सा नहीं ले पाए थे।

लेकिन राहत मिलने के बाद उन्होंने दमदार वापसी की और अपने शानदार प्रदर्शन के दम से विश्व नंबर एक खिलाड़ी बनने वाले इटली के पहले खिलाड़ी बने।सिनर इस साल एक भी मैच सीधे सेटों में नहीं हारे हैं। ऐसा करने वाले वे फेडरर के बाद दूसरे खिलाड़ी हैं। फेडरर ने 2005 में एक भी मैच सीधे सेटों में नहीं गंवाया था।

महिला हॉकी टीम ने देश को किया गौरवान्वित

बिहार के अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम राजगीर में आयोजित महिला एशियाई हॉकी चैंपियनशिप का पहले सेमीफाइनल में चीन ने मलेशिया को 3-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश पाया था। दूसरे सेमीफाइनल में भारत ने जापान को हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। भारत ने अजेय रहते हुए लीग मुकाबले में सभी मैच जीते।

तमिल थलाइवाज ने हार का सिलसिला तोड़ा

नोएडा.

तमिल थलाइवाज ने अपने हरफनमौला खेल की बदौलत दो मैचों से चला आ रहा हार का सिलसिला तोड़ दिया है। थलाइवाज ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में मंगलवार को रिवेंज वीक के तहत खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 77वें मैच में मेजबान यूपी योद्धाज को 40-26 के अंतर से हराया।इस जीत के साथ ही थलाइवाज ने इस सीजन के पिछले मैच में यूपी से मिली हार का हिसाब भी चुका लिया। थलाइवाज को 13 मैचों में पांचवीं जीत दिलाने में मोइन शफागी (8), नरेंदर (6), मसानामुत्थु (6) और डिफेंस में नितेश (3) ने योगदान दिया जबकि यूपी के लिए गगन गौड़ा (8) और आशू (हाई-5) ने ही प्रभावित किया। यूपी को 13 मैचों में छठी हार मिली।नरेंदर कंडोला ने तीन रेड में तीन अंक लिए लेकिन यूपी को दूसरे मिनट में ही डू ओर डाई रेड करना पड़ा। गगन आए और एक अंक लेकर लौटे। तीन मिनट बाद थलाइवाज 3-1 से आगे थे। फिर डिफेंस ने भवानी को डैश कर स्कोर 4-1 कर दिया। इसके बाद नरेंदर ने डुबकी के साथ यूपी को सुपर टैकल सिचुएशन में डाल दिया। साहिल ने गगन को लपक यूपी को आलआउट की ओर धकेला लेकिन आशू ने नरेंदर को सुपर टैकल कर स्कोर 3-6 कर दिया।

बजरंग पुनिया 4 साल के लिए निलंबित

नई दिल्ली.

नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी ने पहलवान बजरंग पूनिया को 4 साल के लिए सस्पेंड कर दिया है। नाडा ने ये एक्शन इसलिए लिया है, क्योंकि बजरंग ने 10 मार्च को राष्ट्रीय टीम के लिए सिलेक्शन ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिए सैंपल देने से मना कर दिया था। नाडा ने सबसे पहले 23 अप्रैल को उन्हें इस अपराध के लिए निलंबित किया था। इसके बाद वर्ल्ड गवर्निंग बॉडी यूडब्ल्यूयूडब्ल्यू ने भी सस्पेंड किया था। बजरंग ने अपने सस्पेंशन के खिलाफ अपील की तो नाडा के डोपिंग पैनल ने 31 मई को इसे रद्द कर दिया था, जब तक नाडा आरोप का नोटिस जारी नहीं करता।

नाडा ने 23 जून को बजरंग को नोटिस दिया। इसके बाद उन्होंने 11 जुलाई को एक लिखित आवेदन में आरोपों को चुनौती दी। फिर 20 सितंबर और 4 अक्टूबर को इस मामले में सुनवाई हुई। एडीडीपी ने अपने आदेश में कहा कि पैनल का मानना है कि बजरंग पूनिया आर्टिकल 10.3.1 के तहत प्रतिबंधों के लिए उत्तरदायी हैं और चार साल के लिए अयोग्य हैं। बजरंग पूनिया के सस्पेंशन का मतलब है कि वह प्रतिस्पर्धी कुश्ती में वापसी नहीं कर सकेंगे और विदेश में कोचिंग की नौकरी के लिए भी आवेदन नहीं कर सकेंगे।

पैनल के अनुसार, बजरंग के 4 साल की अयोग्यता का पीरियड अधिसूचना की तारीख 23 अप्रैल 2024 से लागू होगा। बता दें कि बजरंग शुरुआत से ही ये कहते रहे हैं कि बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन के चलते डोपिंग कंट्रोल के मामले में उनके साथ गलत व्यवहार किया गया। बजरंग ने कहा कि उन्होंने कभी सैंपल देने से मना नहीं किया। उन्होंने ईमेल करके नाडा का रिस्पॉन्स जानने की मांग की थी। उन्होंने पूछा था कि दिसंबर 2023 में सैंपल लेने के लिए एक्सपायर्ड किट क्यों भेजी गईं? जानबूझकर किया था सैंपल देने से इनकार- नाडा नाडा ने कार्रवाई का कारण बताते हुए कहा कि डीसीओ ने बजरंग से प्रॉपर संपर्क किया था और बताया था कि उन्हें डोप एनालिसिस के लिए पेशाब का सैंपल देना ही होगा। लेकिन, एथलीट डोप टेस्ट के लिए सैंपल देने से इनकार जानबूझकर किया गया था और एथलीट ने एंटी डोपिंग नियम 2021 के आर्टिकल 20.1 और 20.2 के तहत अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के सही तरह से पालन नहीं किया।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने को बेताब न्यूजीलैंड

नई दिल्ली.

नई दिल्ली. वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की जंग अब रोचक हो चुकी है। पाकिस्तान, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश की टीम जहां इस दौड़ से बाहर हो चुकी हैं तो भारत, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच रेस जारी है। न्यूजीलैंड की टीम अब इंग्लैंड के खिलाफ डब्ल्यूटीसी 2023-25 के तहत अपनी आखिरी टेस्ट सीरीज खेलने जा रही है। अगर कीवी टीम इस सीरीज में क्लीन स्वीप करने में सफल रहती है तो वह फाइनल में जगह बना सकती है। यही वजह है कि कीवी टीम इस सीरीज में पूरी ताकत के साथ उतरेगी। न्यूजीलैंड ने पुष्टि की है कि तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ गुरुवार को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करेंगे। जबकि भारत में हाल ही में वाइटवॉश के प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे विल यंग को केन विलियम्सन के लिए टीम से बाहर कर दिया गया है। न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने भी पुष्टि की है कि पूर्व कप्तान केन विलियमसन पहले टेस्ट के लिए कमर की चोट से उबरकर वापसी करेंगे, जबकि पिछले महीने भारत में न्यूजीलैंड की हाल ही में 3-0 से वाइटवॉश के दौरान 244 रन बनाने वाले और प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए विल यंग को टीम से बाहर कर दिया गया है।टॉम लैथम ने कहा कि उन्होंने (यंग) भारत में शानदार प्रदर्शन किया और हमारे लिए शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन दुर्भाग्य से यह यंगी के पिछले कुछ समय में किए गए प्रदर्शन से कहीं कम है। केन जैसे खिलाड़ी की वापसी से टीम को मजबूती मिलती है, क्योंकि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी है। वह (यंग) एक बेहतरीन टीम मैन है और उसने निश्चित रूप से कुछ भी गलत नहीं किया है। यह एक कठिन निर्णय था, लेकिन जब आप ऐसी स्थिति में होते हैं तो आपको कठिन निर्णय लेने होते हैं और इसका मतलब है कि आपकी टीम अच्छी स्थिति में है। यंगी के लिए दुखी हूं, लेकिन केन के वापस आने से उत्साहित हूं। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की जंग अब रोचक हो चुकी है।

इस ग्रह में 21 घंटे में हो जाता है एक साल

वैज्ञानिकों ने खोजा एक ऐसा अनोखा ग्रह

नई दिल्ली।

अंतरिक्ष में छिपे कई रहस्य आज भी अनसुलझे हैं। खगोलविदों ने हमारे सौरमंडल के बाहर एक ऐसे दुर्लभ ग्रह की खोज की है, जहां एक वर्ष सिर्फ 21 घंटे का होता है। वैज्ञानिकों द्वारा खोजा गया यह नया ग्रह स्पेस को लेकर हमारी समझ में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह ग्रह अपने सौरमंडल के सूर्य के बिल्कुल निकट है, इतना कि यहां अब सिर्फ इसके बाहरी वायुमंडल घटक ही बचे है। यह सूर्य और ग्रहों का सौरमंडल लगभग 6.5 अरब साल पुराना बताया जा रहा है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि इस ग्रह का नाम टीओआई-3261बी है। अपने सौरमंडल के ग्रह के बिल्कुल निकट होने की वजह से यह अत्यंत गर्म है और इसका आकार हमारे सौरमंडल के ग्रह बृहस्पति जितना है। दक्षिणी क्वींसलैंड विश्वविद्यालय की खगोलशास्त्री एम्मा नैबी के नेतृत्व में वैज्ञानिकों की टीम ने अगस्त 2024 में इस ग्रह के बारे में द एस्ट्रोनॉमिकल जर्नल में कई लेख प्रकाशित किए। टीओआई-3261बी अपने ग्रह की अत्यंत निकट कक्षा में परिक्रमा कर रहा है और मात्र 21 घंटों में एक वर्ष पूरा कर लेता है। इस ग्रह का अस्तित्व वर्तमान सिद्धांतों को चुनौती देता है, क्योंकि ग्रहों के लिए अपने तारों के इतने निकट मोटे गैसीय वायुमंडल को बनाए रखना लगभग असंभव है। वैज्ञानिकों का मानना है कि टीओआई-3261बी बृहस्पति के आकार का एक बहुत बड़ा गैस से बना ग्रह है। दिलचस्प बात यह है कि टीओआई-3261बी नेपच्यून से लगभग दोगुना घना है। अपने सूर्य के बिल्कुल निकट होने के कारण इसके भारी वायुमंडलीय घटक ही बचे हुए हैं।

हर 5 में एक लड़की की शादी से सरकार चिंतित

नई दिल्ली।

भारत में गत एक साल में करीब दो लाख बाल विवाह रोके गए लेकिन अब भी देश में हर पांच में से एक लड़की की शादी कानूनी उम्र 18 साल से पहले कर दी जाती है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने साथ ही रेखांकित किया कि देश को इस बुराई से पूरी तरह मुक्त करना होगा। मंत्री ने 'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान' की शुरुआत करने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 2029 तक बाल विवाह दर को पांच प्रतिशत से नीचे लाने के उद्देश्य से विशिष्ट कार्य योजनाएं बनाने का आग्रह किया।

'बाल-विवाह मुक्त भारत अभियान' पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, राजस्थान, त्रिपुरा, असम और आंध्र प्रदेश पर विशेष तौर पर केंद्रित है जहां पर इस तरह के मामले सबसे अधिक आते हैं। इसके तहत ऐसे करीब 300 जिलों पर भी ध्यान दिया जाएगा जहां बाल विवाह की दर राष्ट्रीय औसत की तुलना में अधिक है।

देवी ने कहा, बाल विवाह हमारे सामने एक बड़ी चुनौती है और यह एक ऐसी कुप्रथा है जो लाखों लड़कियों की क्षमता को सीमित करती है। आज हमारे देश में हर पांच में से एक लड़की की शादी 18 वर्ष की आयु से पहले हो जाती है। बाल विवाह मानवाधिकार उल्लंघन के सबसे गंभीर रूपों में से एक है और कानून के तहत एक अपराध भी है।उन्होंने कहा कि हालांकि बाल विवाह रोकथाम अधिनियम जैसे कानून महत्वपूर्ण हैं लेकिन ''हमें जागरूकता बढ़ाने पर भी ध्यान देना चाहिए, क्योंकि अकेले कानून से इस कुप्रथा का उन्मूलन नहीं हो सकता।

देवी ने इस क्षेत्र में भारत द्वारा की गई प्रगति को रेखांकित करते हुए कहा कि दक्षिण एशिया में बाल विवाह की दर में आई तीव्र वैश्विक गिरावट में भारत का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा, आंकड़ों के मुताबिक गत एक वर्ष में करीब दो लाख बाल विवाह रोके गए हैं। इसके अतिरिक्त, संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार बाल विवाह दरों में सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक गिरावट दक्षिण एशियाई देशों में देखी गई है, और इस उपलब्धि में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है।

क्या है इसका उद्देश्य ?

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य बाल विवाह का उन्मूलन करने के लिए सामूहिक प्रयास में विभिन्न हितधारकों को शामिल करना है। इस पहल की एक प्रमुख विशेषता बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल की शुरुआत है, जो जागरूकता बढ़ाने, मामलों की रिपोर्ट करने और प्रगति की निगरानी करने के लिए एक मंच है।

गोरखपुर की 'पहली महिला पायलट' ने किया सुसाइड

गोरखपुर। मुंबई के अंधेरी स्थित मारोल इलाके में 25 वर्षीय एयर इंडिया पायलट सृष्टि तुली की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इस मामले में पवई पुलिस ने उसके प्रेमी आदित्य पंडित (27) को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। दिल्ली निवासी आदित्य पंडित के खिलाफ सृष्टि के परिवार ने हत्या का आरोप लगाया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सृष्टि का परिवार यूपी के गोरखपुर का रहने वाला है। परिवार ने कहा कि आदित्य पंडित सृष्टि को सबके सामने अपमानित करता था और उसे नॉन-वेज (मांसाहारी भोजन) खाने से रोकता था। परिवार ने मुंबई पुलिस से मामले की गहन जांच की मांग की है। पुलिस के मुताबिक, सृष्टि सोमवार सुबह अपने किराए के फ्लैट में मृत पाई गईं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आदित्य के व्यवहार के कारण सृष्टि मानसिक तनाव में थीं। रविवार को ड्यूटी से लौटने के बाद सृष्टि और आदित्य के बीच झगड़ा हुआ था। आदित्य खुद पायलट की परीक्षा की तैयारी कर रहा था लेकिन पास नही हो पाया। वह पिछले कुछ समय से उसके घर अक्सर आता-जाता रहता था।

राहुल के पास है ब्रिटिश नागरिकता ?

> सरकार ने कोर्ट में दिया जवाब

नई दिल्ली।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने गृह मंत्रालय से कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता पर स्पष्टीकरण मांगा है। अदालत ने 25 नवंबर को जारी आदेश में कहाकि केंद्र सरकार 19 दिसंबर तक इस बारे में कोर्ट को जानकारी दे। यह फैसला उस याचिका पर आया है, जिसमें एक व्यक्ति ने दावा किया है कि राहुल गांधी के पास ब्रिटेन की नागरिकता है। मामले की अगली सुनवाई भी 19 दिसंबर को होने वाली है। मामले में केंद्र की ओर से पेश डिप्टी सॉलिसिटर जनरल एसबी पांडे ने अदालत को सूचित किया कि याचिकाकर्ता द्वारा दिया गया रिप्रजेंटेशन मंत्रालय को मिल गया है। अब इस पर कार्रवाई की जा रही है।

याचिकाकर्ता एस विग्नेश का दावा है कि राहुल गांधी के पास ब्रिटेन की नागरिकता है। उनका कहना है कि उन्होंने इस मामले में विस्तार से छानबीन की है। वह इससे संबंधित कई जानकारियों से गुजरे हैं। विग्नेश का यह भी कहना है कि उन्होंने ब्रिटिश सरकार के अति-गोपनीय ईमेल देखे हैं। याचिकाकर्ता ने कोर्ट को सूचित किया कि उन्होंने पहले ही केंद्रीय गृह मंत्रालय में सक्षम प्राधिकारी के पास राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता रद्द करने के लिए दो प्रतिवेदन दिए हैं। इसके बाद कोर्ट ने एएसजी को गृह मंत्रालय के प्रतिवेदन पर निर्देश लेने का निर्देश दिया। जनहित याचिका में आगे आरोप लगाया गया है कि मेल में, यूके सरकार ने संकेत दिया है कि उसके पास राहुल गांधी की ब्रिटिश नागरिकता के रिकॉर्ड हैं। लेकिन विवरणों का खुलासा करने से इनकार कर दिया। वजह, ऐसे पर्सनल डेटा यूके के डेटा प्रोटेक्शन एक्ट, 2018 के अनुसार प्रोटेक्टेड हैं। याचिका में कहा गया है कि ब्रिटिश सरकार तब तक जानकारी नहीं दे सकती जब तक कि उसे राहुल गांधी का दस्तखत किया हुआ पत्र नहीं मिल जाता। विग्नेश ने मामले में सीबीआई जांच की भी मांग की है।

भारत में कच्चे तेल का सबसे बड़ा सप्लायर बना रूस

मॉस्को। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि रूस भारत का सबसे बड़ा कच्चे तेल का आपूर्तिकर्ता बन गया है। रूस अब भारत के कुल तेल आयात का 35 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आपूर्ति करता है। फेडरेशन ऑफ इंडियन पेट्रोलियम इंडस्ट्रीज के ऑयल एंड गैस अवॉर्ड्स समारोह में बोलते हुए, मंत्री ने बताया कि भारत के तेल स्रोतों में पिछले दो वर्षों में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है। फरवरी 2022 में रूस से तेल आयात मात्र 0.2 प्रतिशत था, जो अब शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है।

पुरी ने कहा, "काफी समय से रूस भारत का सबसे बड़ा कच्चे तेल का आपूर्तिकर्ता (सप्लायर) है। यह प्रतिशत महीने दर महीने बदलता रहता है, लेकिन यह 35 प्रतिशत से अधिक है। यह वैश्विक कीमतों और तेल की उपलब्धता पर निर्भर करता है। तेल मार्केटिंग कंपनियां लंबी अवधि के कॉन्ट्रैक्ट और स्पॉट मार्केट खरीद दोनों का संतुलन बनाए रखती हैं।"

उन्होंने यह भी कहा कि भारत के अन्य प्रमुख तेल आपूर्तिकर्ताओं में सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, इराक, कुवैत और अमेरिका भी शामिल हैं।

एक और चक्रवात बढ़ाएगा मुश्किलें ?

> इन राज्यों में बारिश बनेगी आफत

नई दिल्ली।

उत्तर भारत में मौसम सर्द हो चला है, कुछ दिनों में सर्दी अपना विकराल रूप दिखाने वाली है। वहीं भारत मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी जारी की है कि बंगाल की खाड़ी में बना दबाव का क्षेत्र गहराते हुए चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। यह चक्रवात 27 नवंबर तक और तेज हो सकता है और तामिलनाडु के तटीय इलाकों की ओर बढ़ सकता है। विभाग ने 26 से 30 नवंबर के बीच तामिलनाडु, पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना व्यक्त की है। वहीं उत्तर भारत में घने कोहरे छाए रहने की संभावनाएं बनी हुई है।

उत्तर भारत में मौसम सर्द हो चला है, कुछ दिनों में सर्दी अपना विकराल रूप दिखाने वाली है। वहीं भारत मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी जारी की है कि बंगाल की खाड़ी में बना दबाव का क्षेत्र गहराते हुए चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। यह चक्रवाततामिलनाडु के तटीय इलाकों की ओर बढ़ सकता है। विभाग ने 30 नवंबर तक तामिलनाडु, पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना व्यक्त की है। वहीं उत्तर भारत में घने कोहरे छाए रहने की संभावनाएं बनी हुई है।

तामिलनाडु और पुडुचेरी में अत्यधिक भारी बारिश हो सकती है। इसके साथ ही, 28 से 30 नवंबर तक इन क्षेत्रों में मध्यम से भारी बारिश जारी रहने की संभावना है। विभाग ने स्थानीय बाढ़ और जलभराव की स्थिति के लिए तैयार रहने की सलाह दी है, खासतौर पर शहरी इलाकों में।

28 से 30 नवंबर के बीच तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। विशेष रूप से, दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में हवा की गति 60-80 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरे दबाव का क्षेत्र बुधवार तक चक्रवाती तूफान में तब्दील हो सकता है और अगले दो दिन में श्रीलंका के तट को पार करते हुए तमिलनाडु की ओर बढ़ सकता है।

अमेरिका ने रूस के साथ कर दिया खेल

वाशिंगटन। बाल्टिक सागर से सटे रूस के कालिनिनग्राद क्षेत्र में अमेरिकी बी-52 बमवर्षक विमानों और रूसी सुखोई-27 लड़ाकू विमानों के बीच टकराव का एक वाकया सामने आया है। यह घटना उस वक्त हुई, जब अमेरिकी विमान फिनलैंड के साथ एक संयुक्त सैन्य अभ्यास में भाग ले रहे थे। इस अभ्यास में शामिल अमेरिकी बी-52 विमानों को रूसी विमानों ने रोका। गौरतलब है कि फिनलैंड और अमेरिका दोनों ही नाटो सदस्य देश हैं, और फिनलैंड की रूस के साथ 1,340 किलोमीटर लंबी सीमा साझा होती है।

हाल के दिनों में रूस और पश्चिमी देशों के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। यूक्रेन ने हाल ही में अमेरिका और ब्रिटेन द्वारा प्रदान की गई लंबी दूरी की मिसाइलों से रूस पर हमला किया।

आरक्षण का लाभ लेने के लिए अपनाया हिंदू धर्म

> ईसाई महिला को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई कड़ी फटकार

नई दिल्ली।

यदि कोई व्यक्ति केवल आरक्षण लाभ प्राप्त करने के लिए बिना किसी आस्था के धर्म परिवर्तन करता है तो यह आरक्षण की नीति की सामाजिक भावना के खिलाफ होगा। यह निर्णय मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने दिया है। कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखते हुए एक महिला को अनुसूचित जाति (एससी) प्रमाण पत्र देने से इनकार कर दिया। महिला ने यह प्रमाण पत्र एक उच्च श्रेणी के लिपिक पद की नौकरी पाने के लिए पुदुचेरी में प्राप्त करने के उद्देश्य से मांगा था। उसने दावा किया था कि वह हिंदू धर्म अपनाकर अनुसूचित जाति में शामिल हो चुकी है।

जस्टिस पंकज मिथल और आर महादेवन की पीठ ने इस मामले पर सुनवाई की। उन्होंने अपने फैसले में कहा, इस मामले में प्रस्तुत साक्ष्य से यह स्पष्ट होता है कि अपीलकर्ता ईसाई धर्म का पालन करती हैं और नियमित रूप से चर्च जाती हैं। इसके बावजूद, वह खुद को हिंदू बताती हैं और रोजगार के लिए अनुसूचित जाति प्रमाणपत्र की मांग करती हैं। उनका यह दोहरा दावा अस्वीकार्य है और वह बपतिस्मा लेने के बाद खुद को हिंदू के रूप में पहचान नहीं सकतीं। कोर्ट ने आगे कहा, इसलिए सिर्फ आरक्षण का लाभ लेने के लिए एक ईसाई धर्मावलंबी को अनुसूचित जाति का सामाजिक दर्जा देना संविधान की मूल भावना के खिलाफ होगा और इसे धोखाधड़ी माना जाएगा। कोर्ट ने कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और प्रत्येक नागरिक को संविधान के तहत अपने धर्म को मानने और पालन करने का अधिकार है। जस्टिस महादेवन ने फैसले में लिखा, "यदि धर्म परिवर्तन का उद्देश्य आरक्षण के लाभ प्राप्त करना है, न कि किसी अन्य धर्म में विश्वास, तो इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता क्योंकि ऐसे व्यक्तियों को आरक्षण के लाभ देना समाजिक नीति की भावना के खिलाफ होगा।" इस मामले में अपीलकर्ता सी. सेलवरानी ने मद्रास हाईकोर्ट के 24 जनवरी, 2023 के आदेश को चुनौती दी थी। उनकी याचिका को खारिज कर दिया गया था। उन्होंने दावा किया था कि वह हिंदू धर्म का पालन करती है और वह वल्लुवन जाति से ताल्लुक रखती है, जो कि अनुसूचित जाति में आती है। महिला ने द्रविड़ कोटा के तहत आरक्षण का लाभ प्राप्त करने का हकदार बताया था।

ओडिशा सरकार की अनूठी पहल

> सभी विधायकों से 5-5 अनाथ बच्चों को गोद लेने की अपील

भुवनेश्वर।

ओडिशा की उप मुख्यमंत्री प्रवती परीदा ने संविधान दिवस के दिन राज्य सरकार की एक अनूठी पहल का ऐलान किया है। परीदा ने मंगलवार को कहा कि ओडिशा के सभी 147 विधायकों से राज्य में गोद लेने को बढ़ावा देने के लिए कम से कम पांच अनाथ बच्चों को गोद लेने के लिए कहा जाएगा। परीदा राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री भी हैं। उन्होंने कहा कि यह कदम समाज में एक मिसाल पेश करने और अनाथ बच्चों के प्रति संवेदनशील वातावरण तैयार करने के लिए लोगों को प्रेरित करेगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे अनाथ बच्चों का भविष्य संवारा जा सकेगा और इस तरह के सामूहिक प्रयास से अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य पर एक मॉडल के रूप में काम करने की क्षमता विकसित हो सकेगी। उप मुख्यमंत्री ने मीडिया से कहा, "अगर ओडिशा के सभी विधायक कम से कम पांच बच्चों को गोद ले लेते है तो 600 से अधिक बच्चों की जीवन बदल सकता है।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस पहल का कोई विरोध नहीं होगा।

उप मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि गोद लेने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए वर्तमान में एक सूची तैयार की जा रही है। परीदा ने कहा, "सामाजिक कार्यकर्ता, वकील और किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) के अधिकारी अनाथ बच्चों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण रवैया रखते हैं। विभाग जल्द ही ऐसे बच्चों को गोद लेने के संबंध में अंतिम निर्णय लेगा। केंद्रीय दत्तक ग्रहण एजेंसी कारा के अनुसार, पिछले 5 वर्षों में ओडिशा के 900 से अधिक अनाथ बच्चों को गोद लिया गया है। देश में गोद लेने के मामले में ओडिशा शीर्ष 5 राज्यों में एक बना हुआ है। ओडिशा में लगभग 329 पंजीकृत बाल देखभाल संस्थान हैं, जो अनाथ, परित्यक्त और बचाए गए बच्चों को आश्रय देते हैं। उनमें से 140 केंद्रों पर 8,000 से अधिक बच्चों की देखभाल, सुरक्षा, पुनर्वास और पुनः एकीकरण के लिए केंद्र सरकार की मिशन वात्सल्य योजना द्वारा सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

पाकिस्तान में सेना का जुल्मी तांडव

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर इस्लामाबाद में हुए बड़े प्रदर्शन में पुलिस ने लगभग 1 हजार प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है। सुरक्षाबलों में शामिल पाकिस्तानी सेना ने मंगलवार को राजधानी के केंद्र में जमा भारी भीड़ को तितर-बितर कर दिया। गौरतलब है कि इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं और उनके खिलाफ कई कानूनी मामले चल रहे हैं। इमरान खान 2018 से 2022 तक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे है। वह अभी भी पाकिस्तान के एक प्रमुख नेता हैं और जनता के बीच लोकप्रिय हैं। उनकी गैरमौजूदगी में प्रदर्शन का नेतृत्व उनकी पत्नी बुशरा बीबी ने किया।

चीन में जिनपिंग सरकार की मुश्किलें बढ़ी

बीजिंग।

चीन में शी जिनपिंग सरकार के भीतर सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। लगातार तीसरे रक्षा मंत्री पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। सरकार ने जांच के आदेश भी दे दिए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जुन के खिलाफ करप्शन के आरोपों ने चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी को हिलाकर रख दिया है। फाइनेंशियल टाइम्स ने बुधवार को बताया कि डोंग जुन के खिलाफ जांच शुरू हो गई है।

एफटी ने वर्तमान और पूर्व अमेरिकी अधिकारियों का हवाला देते हुए बताया कि डोंग कथित तौर भ्रष्टाचार के लिए जांच का सामना करने वाले लगातार तीसरे चीनी रक्षा मंत्री हैं।

हालांकि चीन के रक्षा मंत्रालय ने मामले में टिप्पणी नहीं दी है। चीन की सेना में पिछले साल से व्यापक भ्रष्टाचार विरोधी अभियान चलाया है। अब तक कम से कम नौ पीएलए जनरलों और मुट्ठी भर रक्षा उद्योग के अधिकारियों को राष्ट्रीय विधायी निकाय से हटाया जा चुका है, अब एक बार फिर नए आरोपों ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है।

पीएलए के पूर्व नौसेना प्रमुख डोंग को दिसंबर 2023 में रक्षा मंत्री नियुक्त किया गया था। उनके पूर्ववर्ती ली शांगफू को सात महीने के कार्यकाल के बाद हटा दिया गया था। डोंग ने पिछले हफ्ते लाओस में रक्षा मंत्रियों की एक बैठक के दौरान अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन से मिलने से इनकार कर दिया था। तब पेंटागन प्रमुख ने बुधवार को कहा था कि यह कदम दुर्भाग्यपूर्ण है।

क्या कोई पार्टी बताएगी कि कोर्ट किस मामले को सुने ?

> उद्धव सेना के आरोप पर चंद्रचूड़

नई दिल्ली।

देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने शिवसेना (यूबीटी) की ओर से लगाए गए आरोपों पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि कोई एक पार्टी यह नहीं तय कर सकती कि सुप्रीम कोर्ट को किस मामले की सुनवाई करनी चाहिए। दरअसल, शिवसेना नेता संजय राउत ने बीते दिनों चंद्रचूड़ की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने महाराष्ट्र में दल-बदल करने वाले नेताओं के मन से कानून का डर खत्म कर दिया था। राउत ने दावा किया कि अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय नहीं करके चंद्रचूड़ ने दलबदल के लिए दरवाजे और खिड़कियां खुली रखीं।

एक इंटरव्यू में पूर्व सीजेआई ने शिवसेना के आरोपों पर कहा, 'मेरा जवाब बहुत सरल है। पूरे साल हमने कई मौलिक संवैधानिक मामलों पर सुनवाई की।

हम 9 न्यायाधीशों की पीठ के निर्णयों, 7 न्यायाधीशों की पीठ के निर्णयों और 5 जजों की पीठ के फैसलों से निपटते रहे। ऐसे में क्या किसी एक पक्ष या व्यक्ति को यह तय करना चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट को किस मामले की सुनवाई करनी चाहिए? माफ कीजिए, यह अधिकार मुख्य न्यायाधीश के पास होता है।'

डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि 20 वर्षों से कई मामले सर्वोच्च न्यायालय में लंबित पड़े हैं। उन्होंने कहा, 'अगर आप कहते हैं कि हमें जो समय दिया गया उसमें हमने एक मिनट भी काम नहीं किया तो ऐसी आलोचना जायज है। आप देखिए कि कई अहम संवैधानिक मामले 20 बरसों से सुप्रीम कोर्ट में पेंडिंग हैं। एससी इन 20 साल पुराने मामलों को क्यों नहीं ले रहा है और कुछ हालिया मुद्दों पर सुनवाई क्यों कर रहा है? इस बीच, अगर आप पुराने मामलों को लेते हैं तो आपको बताया जाएगा कि आपने इस विशेष केस को नहीं लिया। हमारे पास सीमित जनशक्ति है और न्यायाधीशों की निश्चित संख्या है। ऐसे में आपको संतुलन बनाना होता है।'

शिवसेना मामले में फैसला देर से लेने के आरोपों पर भी पूर्व सीजेआई ने जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'देखिए, यही समस्या है। असली दिक्कत यह है कि राजनीति का एक निश्चित वर्ग सोचता है कि अगर उनके एजेंडे का पालन करते हैं तो हम स्वतंत्र हैं। हमने चुनावी बांड पर फैसला लिया। क्या यह कोई कम महत्वपूर्ण मामला था? हमने हाल ही में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय मामले में फैसला सुनाया, जिसमें इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश के तहत मदरसों को बंद करने का मुद्दा शामिल रहा। हमने व्यक्तियों के विकलांगता अधिकारों से संबंधित

शिवसेना यूबीटी का क्या है आरोप

वर्ष 2022 में अविभाजित शिवसेना में विभाजन के बाद, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले पार्टी के गुट ने एकनाथ शिंदे के साथ दलबदल करने वाले पार्टी विधायकों की अयोग्यता पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। शीर्ष अदालत ने अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला करने का दायित्व विधानसभा अध्यक्ष पर छोड़ा था। विधानसभा अध्यक्ष ने शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट को असली राजनीतिक दल घोषित किया था। राउत ने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव के नतीजे पहले से तय थे।

बांग्लादेश में छात्र संगठन इस्कॉन के भी खिलाफ

ढाका।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ कट्टरपंथी संगठन एकजुट होते दिख रहे हैं। पहले कृष्ण भक्ति के लिए दुनिया भर में चर्चित इस्कॉन के मंदिरों पर हमले किए गए और फिर जब उसके खिलाफ चिन्मय कृष्णदास के नेतृत्व में आंदोलन हुआ तो उन पर भी ऐक्शन हुआ। फिलहाल चिन्मय कृष्णदास पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया गया है और उन्हें जेल भेज दिया गया है। मंगलवार को अदालत में उनकी पेशी के दौरान बड़ी संख्या में हिंदू समुदाय के लोग जुटे थे और हिंसा भड़की थी। इसी दौरान एक वकील सैफुल इस्लाम की मौत हो गई थी, जिसके चलते इस्कॉन पर ही बैन लगाने की मांग शुरू हो गई।

इसे लेकर हाई कोर्ट में एक याचिका दाखिल की गई है। इसके अलावा छात्रों के संगठन ने भी आंदोलन किया है और बुधवार को इस्कॉन पर तत्काल मांग लगाने की मांग की गई। ऐंटी-डिस्क्रिमिनेशन स्टूडेंट मूवमेंट की ओर से चिट्टग्राम में रैली आयोजित की गई। इस दौरान छात्र संगठन के संयोजक हसनत अब्दुल्ला और सरजिस आलम ने कहा कि इस्कॉन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगनी चाहिए। इन लोगों ने कहा कि वकील सैफुल इस्लाम आलिफ की हत्या की गई है और उसके कातिलों को 24 घंटे के अंदर ही गिरफ्तार किया जाना चाहिए। हसनत अब्दुल्ला ने कहा कि इस्कॉन बांग्लादेश में अराजकता पैदा कर रहा है और उसके नेतृत्व में उपद्रव कराए जा रहे हैं। यही नहीं अब्दुल्ला ने कहा कि यह संगठन अवामी लीग का एजेंट है। अब्दुल्ला ने कहा, 'इस्कॉन यहां अवामी लीग के एजेंट की तरह काम कर रहा है।